हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 59 ● भिलाई, शनिवार 19 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल की मणिमहेश यात्रा पर अस्थाई रोक

भरमौर। हिमाचल प्रदेश में खराब मौसम के चलते भरमौर प्रशासन ने मणिमहेश यात्रा को अस्थायी तौर पर रोक दिया है। मणिमहेश और गौरीकुंड क्षेत्र में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी के बाद प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया। एडीएम भरमौर विकास शर्मा ने यात्रा पर अस्थायी रोक की पुष्टि की है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, गुरुवार सुबह से भरमौर के निचले इलाकों में बारिश हो रही है, जबकि ऊंचे पहाड़ों पर हल्का हिमपात हुआ है। मौसम की स्थिति को देखते हुए श्रद्धालुओं को फिलहाल आगे नहीं जाने और सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से आगामी आदेशों का इंतजार करने की अपील की है। मौसम साफ होने के बाद यात्रा फिर शुरू की जाएगी। अब तक हजारों श्रद्धालु मणिमहेश की डल झील में पवित्र स्नान कर चुके हैं। बड़े शाही स्नान के दौरान भी हजारों श्रद्धालुओं के डल झील में डुबकी लगाने की संभावना है।

बिजनेस क्लास का टिकट, सीट मिली इकोनॉमी में; एयर कनाडा ने गिप्पी ग्रेवाल से की बदसलूकी

चंडीगढ़ । पंजाबी गायक और अभिनेता गिप्पी ग्रेवाल ने एयर कनाडा की फ्लाइट में अपने साथ हुए अनुभव को लेकर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि उन्होंने बिजनेस क्लास की सीट के लिए भुगतान किया था, लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास में सीट दे दी गई। गिप्पी ग्रेवाल के मुताबिक, उन्होंने जब एयरलाइन के स्टाफ से इस बारे में सवाल किया तो उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उनका कहना है कि स्टाफ की ओर से उन्हें बताया गया कि ऐसा हो गया है और अब इसमें कुछ नहीं किया जा सकता। गिप्पी ने दावा किया कि उन्हें फ्लाइट लेने या उसे छोड़ने की बात कही गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उन्होंने लगातार इस मामले को लेकर सवाल किए तो उनकी समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें विमान से उतारने की बात कही गई। हालांकि, ये सभी आरोप गिप्पी ग्रेवाल की ओर से सोशल मीडिया पर किए गए दावे पर आधारित हैं।

रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी कानून को लेकर भारत सतर्क

नई दिल्ली। रूस से तेल-गैस खरीद पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने वाले अमेरिकी कानून सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट पर भारत ने कहा कि सरकार घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने एक ऐसा कानून पारित किया है, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है।

जुमे की नमाज के दौरान पाकिस्तान में भीषण धमाका

घटना में 16 नमाजियों की मौत,50 की हालत गंभीर

नई दिल्ली/ एजेंसी

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में पुलिस लाइंस इलाके में शुक्रवार की नमाज के दौरान मस्जिद के पास जोरदार विस्फोट हुआ। इस घटना में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा घायल हैं। जिला मुख्यालय अस्पताल के डॉक्टर ताहिर अली शाह ने बताया कि विस्फोट के बाद अस्पताल में 16 शव और 50 से अधिक घायलों को लाया गया। पुलिस के मुताबिक, धमाका मस्जिद के बाहर हुआ, जिससे वहां बड़ा गड्ढा बन गया। घायलों में पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। विस्फोट के बाद पुलिस लाइंस में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, विस्फोट वाली जगह पर राहत और बचाव अभियान जारी है। घटना के बाद प्रशासन ने कोहाट-हंगू सड़क को सभी तरह के यातायात के लिए बंद कर दिया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाए जाने के बाद कोहाट के जिला मुख्यालय अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने बाद में बताया कि विस्फोट में घायल कम से कम 25 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जुल्फिकार हमीद ने बताया कि विस्फोटकों से लदा एक वाहन पुराने पुलिस लाइंस के गेट से टकराया और इसके बाद उसमें जोरदार धमाका हो गया। उन्होंने बताया कि वाहन के गेट से टकराने के बाद विस्फोट हुआ और गोलीबारी भी शुरू हो गई। आईजीपी के मुताबिक, यह आत्मघाती हमला था। गोलीबारी के दौरान स्पेशल ब्रांच की इमारत में भी एक अन्य आत्मघाती विस्फोट हुआ। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस आतंकवाद के खिलाफ लोहे की दीवार की तरह खड़ी है और ऐसे हमले पुलिसकर्मियों का मनोबल नहीं तोड़ सकते। उन्होंने कहा कि शहीदों का खून व्यर्थ नहीं जाएगा और आतंकवादियों व उनके मददगारों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। केंद्रीय पुलिस कार्यालय ने बताया कि आईजीपी जुल्फिकार हमीद ने कोहाट के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी से घटना की रिपोर्ट मांगी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विस्फोटकों से लदा वाहन पुराने पुलिस लाइंस के गेट से टकराया था। केंद्रीय पुलिस कार्यालय के मुताबिक, अधिकारी विस्फोट की पूरी प्रकृति और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रहे हैं। धमाके के बाद हमलावरों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी जारी रही। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर राहत-बचाव के साथ-साथ पूरे इलाके की जांच में जुटी हैं। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित कोहाट जिला शुक्रवार को दहल उठा। कोहाट जिले में पुरानी पुलिस लाइंस के पास स्थित मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के समय अचानक एक भीषण विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोटकों से भरा एक अज्ञात वाहन तेजी से आया और मस्जिद के मुख्य गेट से सीधे जा टकराया।

मस्जिद का बाहरी हिस्सा क्षतिग्रस्त, दीवार ढही और कोहाट एवं हंगू मार्ग बंद

बचाव अधिकारियों ने जानकारी दी कि धमाके के कारण मस्जिद का बाहरी हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। विस्फोट के भीषण दबाव से मस्जिद की एक बड़ी दीवार ढह गई और मलबे में कई लोग दब गए थे। घटना के तुरंत बाद पुलिस और बचाव दल की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य तेजी से शुरू किया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से अधिकारियों ने कोहाट और हंगू मार्ग को सभी प्रकार के यातायात के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया। पुलिस लाइंस परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियों की टुकड़ियां तैनात कर पूरे इलाके को घेर लिया गया है।

खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ती हिंसक घटनाएं और सुरक्षा एजेंसियों की पड़ताल

इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रेड अलर्ट जारी कर सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा बल घटना स्थल से साक्ष्य जुटा रहे हैं और आसपास के इलाकों में संदिग्धों की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। फिलहाल किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, परंतु पुलिस हर कोण से जांच कर रही है। कोहाट जिले में हुए इस भीषण विध्वंसक हमले ने प्रांत में सुरक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल प्रशासन ने आपातकाल घोषित कर सभी डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफको तुरंत ड्यूटी पर तैनात रहने के निर्देश दिए हैं।

निष्कासन समाप्त करने पर समिति की मुहर लग गई

राजीव भवन में हुई बैठक....अमित जोगी की कांग्रेस में होगी वापसी

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के मुख्यालय राजीव भवन में आज अनुशासन समिति की अहम बैठक हुई. धनेंद्र साहू की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान निष्कासित नेताओं और पार्टी में वापसी के आवेदने देने वाले नेताओं के प्रकरणों पर विस्तृत चर्चा की गई. कुछ मामलों में निष्कासन समाप्त करने पर समिति की मुहर लग गई, जबकि कुछ नेताओं के प्रकरण विचाराधीन है. इन सभी मामलों को लेकर संबंधित जिला कांग्रेस कमेटियों से भी चर्चा की जाएगी. अनुशासन समिति की बैठक में एआईसीसी के तीनों सह-प्रभारी के एस.ए. संपत कुमार, जरिता लैतफ्लांग और विजय जांगिड़ मौजूद रहे. बैठक में कुल 36 आवेदन प्राप्त हुए थे. इस दौरान अमित जोगी का प्रकरण भी सामने आया. अनुशासन समिति के अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने कहा कि अमित जोगी का मामला फिलहाल विचारणीय है. इस पर चर्चा की गई है और प्रकरण को लंबित रखा गया है. कांग्रेस ने बैठक में फैसला लिया कि पार्टी के विरुद्ध कोई वक्तव्य देता है या ऐसी गतिविधि में शामिल रहता है तो उसके खिलाफ सख्त रुख अपनाया जाएगा. मीडिया के माध्यम से भी पार्टी विरोधी बयानबाजी को भी अनुशासनहीनता के दायरे में माना जाएगा. ऐसे मामलों में भी कार्रवाई की जाएगी. आगामी दो महीने के भीतर फिर से अनुशानसन समिति की बैठक बुलाई जाएगी और लंबित प्रकरणों पर चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा.

सेंसर बोर्ड की नई टीम का ऐलान, प्रीति जिंटा, सुनील शेट्टी समेत ये 18 सितारे बने बोर्ड के सदस्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का नए सिरे से गठन किया है। नई व्यवस्था में फिल्म, टेलीविजन, संगीत, साहित्य और कला जगत से जुड़े कई चर्चित चेहरों को बोर्ड में जगह दी गई है। नई नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी और सदस्यों का कार्यकाल अधिकतम तीन वर्ष तक हो सकता है। नए बोर्ड में मनोज जोशी, प्रियदर्शन, सुनील शेट्टी, प्रीति जिंटा, पंकज त्रिपाठी और प्रोसेनजीत चटर्जी जैसे नाम शामिल हैं। इनके अलावा संगीतकार रिकी केज, अभिनेता एवं सांसद हंसराज हंस, अभिनेत्री रूपाली गांगुली।

राघव चड्ढा ने आप को बताया एक्स गर्लफ्रेंड

मेरी याद में कहीं हाथ की नस न काट लें....

नई दिल्ली। राघव चड्ढा शुक्रवार को गुरदासपुर में बीजेपी की नशे के खिलाफ शुरू हो रही यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी पर कटाक्ष किया है। राघव चड्ढा ने कहा कि उनका हाल एक्स-गर्लफ्रेंड जैसा है। मुझे उनकी चिंता होती है कि कहीं किसी दिन मेरी याद में अपने हाथ की नसे न कांट लें। बीजेपी सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब के गुरदासपुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा, उनका (आम आदमी पार्टी) हाल उस एक्स-गर्लफ्रेंड जैसी है, जिसका बॉयफ्रेंड उसे छोड़कर आगे निकल गया और जिंदगी में आगे निकल गया है, लेकिन अब भी वो मेरे इश्क और प्यार में पागल हैं। मुझे उनकी चिंता होती है कि कहीं किसी दिन मेरी याद में अपने हाथ की नसे न कांट लें।

सुप्रीम कोर्ट ने 2025 में किया था बरी

निठारी हत्या कांड के आरोपी सुरेंद्र कोली ने लगाई फांसी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

वर्ष 2006 में नोएडा के निठारी गांव से सामने आए बच्चों की हत्या और यौन उत्पीड़न के सीरियल कांड के प्रमुख आरोपी सुरेंद्र कोली का अंत बेहद नाटकीय और संदिग्ध परिस्थितियों में हुआ है। अदालत से बरी होने के बाद गुमनामी की जिंदगी बिता रहे कोली का शव शुक्रवार को हरिद्वार के एक चाय के खोखे में रस्सी के सहारे फंदे से लटका हुआ पाया गया। हरिद्वार शहर कोतवाली क्षेत्र की सप्तऋषि पुलिस चौकी को सूचना मिली कि सप्त सरोवर रोड पर लालमाता मंदिर के सामने स्थित एक चाय की दुकान में किसी व्यक्ति ने फांसी लगा ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और तलाशी ली, जिसके बाद मृतक की पहचान सुरेंद्र कोली के रूप में हुई। शहर कोतवाल कुंदन सिंह राणा ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि सुरेंद्र कोली पिछले कुछ महीनों से उत्तर हरिद्वार क्षेत्र में रह रहा था। उसने अपनी पुरानी पहचान छुपाकर एक छोटा सा चाय का खोखा किराए पर लिया था और वहीं से अपना जीवन यापन कर रहा था। पुलिस के अनुसार घटना स्थल और दुकान से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने अल्मोड़ा में रह रहे उसके परिजनों को सूचित कर दिया है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र के नियम बदलेंगे.....

नई दिल्ली। जन्म और मृत्यु के रजिस्ट्रेशन से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के प्रावधान 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। नए प्रावधानों के तहत जन्म या मृत्यु का रजिस्ट्रेशन कराने में देरी होने पर प्रक्रिया पहले के मुकाबले अधिक सख्त होगी। खास तौर पर घटना के दो साल से अधिक समय बाद रजिस्ट्रेशन कराने के लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की जरूरत होगी। भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने गजट अधिसूचना जारी कर बताया कि केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर 2026 को अधिनियम के प्रावधान लागू होने की तारीख तय की है।

पंजाब में बीजेपी का ड्रग्स के खिलाफ अभियान

देश रक्षा के लिए पंजाब के बहादुर सैनिक हमेशा तैयार..

नई दिल्ली/ एजेंसी

पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी ने आज से ड्रग्स के खिलाफ चार राज्य-व्यापी मार्च शुरू किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पठानकोट के एकता स्थल से पहले मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि, मैं यहां एक मुद्दे पर बात करने आया हूं, एक ऐसा मुद्दा जो पंजाब के हर घर में गूंजते दर्द और आवाजों को दिखाता है। मैं इस दुख में डूबे लोगों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं। हमें इस 'नशा मुक्त' कैंपेन को पंजाब के हर कोने तक ले जाना चाहिए और राज्य के हर पंजाबी और हर समुदाय के साथ मिलकर इसे मजबूत करना चाहिए। नितिन नबीन ने आगे कहा कि, जब भी हमारे देश की सीमाओं पर कोई खतरा आया, पंजाब के युवा, हमारे बहादुर सैनिक, देश की रक्षा के लिए तैयार होकर, हथियारबंद होकर खड़े हो गए। लेकिन आज, पंजाब एक ऐसे दुश्मन का सामना कर रहा है जो यूनिफॉर्म नहीं पहनता। बल्कि, वह चुपचाप हमारे गांवों और घरों में घुस जाता है, धीरे-धीरे पूरे परिवारों को अपनी गिरफ्त में ले लेता है। उन्होंने कहा, यह दुश्मन कोई और नहीं बल्कि ड्रग्स का खतरा और इसके पीछे का माफिया है।

ममता बनर्जी को दोहरा झटका, पहले टीएमसी का नाम-सिंबल गया

अब नंदीग्राम सीट से उम्मीदवार संचिता डे ने नाम लिया वापस

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। आगामी उपचुनाव के लिए नंदीग्राम सीट से उम्मीदवार और शिक्षिका संचिता प्रधान डे ने अपना नाम वापस ले लिया। संचिता ने ममता के नेतृत्व वाले गुट 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' से उपचुनाव के लिए नामांकन किया था। उन्होंने एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात की थी। इससे पहले गुरुवार को चुनाव आयोग ने पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर ममता और ऋताब्रत बनर्जी गुट के बीच बढ़ते विवाद के बाद पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को फ्रीज कर दिया था। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों से आज सुबह 11 बजे तक नए नाम और चुनाव चिन्ह के विकल्प देने के लिए कहा था। इसके बाद आयोग ने ममता गुट को फुटबॉल प्लेयर और ऋताब्रत गुट को लिफाफा चुनाव चिन्ह दिया है। संचिता प्रधान डे के अचानक अपना नाम वापस लेने को लेकर ममता बनर्जी ने कहा कि नंदीग्राम उपचुनाव में पार्टी को समर्थन करने और मजबूत करने के लिए कांग्रेस को समर्थन करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी असम में चुनाव नहीं लड़ेगी। ममता ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि, राज्य स्तर पर, जिला स्तर पर, ब्लॉक स्तर पर, तहसील और कॉर्पोरेट स्तर पर हमारे समय में कितने कमीशन आए? इन 4 महीनों में 64 से अधिक लोगों की हत्याएं हुई हैं। 44 से ज्यादा लड़कियों और दूसरी महिलाओं के साथ रेप हुआ है। आधी रात को भी वे घर के बेडरूम में घुस रहे हैं, जहां वे नहीं जा सकते। अब, पुलिस उनका नंबर एक हथियार बन गई है। पुलिस जाकर उनसे पूछ रही है कि या तो तुम भाजपा समर्थित हो, जिसे हम बकवास समूह कहते हैं, उसमें शामिल हो जाओ या तुम जेल जाओ। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि उन्होंने पहले ही योजना बना ली है, एक नकली स्क्रूक किया है, एक फर्जी चुनाव किया है, उन्होंने पहले ही योजना बना लिया है, [illegible] ने काउंटिंग की, उन्होंने काउंटिंग एजेंट को हटा दिया है, उन्होंने 3-4 राउंड हाईजैक कर लिए हैं और हम जानते हैं कि मास्टरमाइंड कौन था। यह हमारी तहजीब है, हम नाम नहीं ले रहे हैं, अगर जरूरत पड़ी तो हम बाद में ऐसा करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि, लेकिन हम अपना सिर नहीं झुकाएंगे। हम ऐसा नहीं करेंगे, हम पार्टी के इन पक्षपाती राजनीतिक लोगों के सामने कभी अपना सिर नहीं झुकाएंगे जो यह उपद्रव कर रहे हैं। हम लड़ाई लड़ेंगे और हम वापस आएंगे। ममता बनर्जी ने ऋताब्रत बनर्जी गुट पर हमला बोलते हुए कहा कि, बीजेपी प्लस वन टीम ने ऐलान किया है कि उन्हें तृणमूल पसंद नहीं है, उन्हें जोरा फूल पसंद नहीं है। वे अपने परिवार के केस और करप्शन को छिपाना पसंद करते हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस का सिंबल हटा दिया है और यह साफ कर दिया है कि उन्हें तृणमूल पसंद नहीं है, उन्हें जोरा फूल पसंद नहीं है। वे अब बीजेपी की ए टीम हैं।

ममता बोलीं- कांग्रेस को समर्थन का फैसला पहले ही हो चुका था

संचिता प्रधान के नामांकन वापस लेने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि उनका गुट नंदीग्राम में कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या संचिता प्रधान ने इसलिए नामांकन वापस लिया क्योंकि ममता गुट अब कांग्रेस का समर्थन कर रहा है, तो ममता ने इस बात को खारिज किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला पहले ही लिया जा चुका था। ममता का यह स्पष्टीकरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि नामांकन वापसी और कांग्रेस को समर्थन देने की घोषणा लगभग एक ही समय में सामने आई। ममता बनर्जी ने कहा कि उनका गुट नंदीग्राम और असम में कांग्रेस को समर्थन दे रहा है। उन्होंने इसे देश के व्यापक हित से जोड़ा। उन्होंने नंदीग्राम में कांग्रेस उम्मीदवार के समर्थन की बात स्पष्ट करते हुए कहा कि रेजीनगर को लेकर फैसला बाद में लिया जाएगा।

एआई के आधुनिक उपयोग एवं साइबर सुरक्षा पर विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

दुर्ग। शासकीय वी.वाई.टी. पी.जी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के जूलॉजी विभाग द्वाराआईक्यूएसी एवं आईआईसी के बैनर तले तथा रूसा के प्रायोजन में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला -डेटा विश्लेषण और बौद्धिक संपदा अधिकार- के दूसरे दिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आधुनिक उपयोग एवं साइबर सुरक्षा विषयों पर दो विशेष विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए।

प्रथम सत्र में -एआई एज- विषय पर विशेषज्ञ श्री संजय आशाटकर, मुख्य प्रबंधक, आईबीएस, तेलंगाना ने शोध एवं डेटा विश्लेषण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका तथा आधुनिक एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोग पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से प्रतिभागियों को संभावनाओं, शोध में इसके उपयोग तथा डेटा विश्लेषण को प्रभावी बनाने के तरीकों से परिचित कराया।

द्वितीय सत्र में साइबर सुरक्षा विषय पर विशेष विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें श्री पुष्पेंद्र भट्ट, टाउन इंस्पेक्टर, रेंज साइबर थाना, दुर्ग (छ.ग.) एवं डॉ. यशवंत

श्रीवास्तव, सहायक उप निरीक्षक, रेंज साइबर थाना, दुर्ग (छ.ग.) ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव के विभिन्न उपायों की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी एवं बैंकिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया सुरक्षा, साइबर बुलिंग, फर्जी लिंक तथा व्यक्तिगत एवं डिजिटल डेटा की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने डिजिटल लेन-देन में सतर्कता बरतने तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल उचित माध्यम से शिकायत दर्ज कराने के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

दोनों सत्रों में विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सत्र संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रहे, जिनमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछकर जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। वास्तविक जीवन के उदाहरणों एवं व्यावहारिक जानकारियों के माध्यम से.ह्व के प्रभावी उपयोग, साइबर जागरूकता, डिजिटल जिम्मेदारी तथा सुरक्षित तकनीकी व्यवहार के महत्व को स्पष्ट किया गया।

सत्र का समन्वय शोधार्थी सुश्री पूजा यादव द्वारा किया गया तथा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापकश्री अनुराग मिश्रा एवं श्री सुदेश साहू द्वारा प्रस्तुत किया गया।

कार्यशाला के सफल आयोजन में जूलॉजी विभाग के डॉ. नीरू अग्रवाल, डॉ. मौसमी डे, डॉ. अलका मिश्रा, का महत्वपूर्ण योगदान रहा

कार्यशाला की सफलता के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जूलॉजी विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. दिव्या के. मिंज तथा विभागीय टीम द्वारा आयोजन को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। कार्यशाला का तीसरा एवं अंतिम दिवस 19 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा

कार्यशाला के दूसरे दिन आयोजित ये सत्र प्रतिभागियों को आधुनिक तकनीकी उपकरणों के उपयोग एवं डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहे। कार्यशाला का तीसरा एवं अंतिम दिवस 19 सितंबर 2026 को -डेटा विश्लेषण- विषय पर आयोजित होगा।

कृषि विज्ञान केन्द्र में बलराम जयंती पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

गरियाबंद। कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में बलराम जयंती के अवसर पर कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष गंगू राम साहू ने भगवान बलराम की पूजा-अर्चना एवं कृषि उपकरणों का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर भगवान बलराम को कृषि एवं कृषक जीवन का प्रतीक बताते हुए कृषि क्षेत्र में उनके योगदान और किसानों के लिए उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष चौरसिया ने किसानों को धान के बाद चना, मसूर, तिवड़ा, अलसी आदि दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे किसानों को अतिरिक्त फसल एवं आय प्राप्त करने का अवसर मिलता है तथा फसल विविधीकरण से मृदा की उर्वरता क्षमता में भी सुधार होता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. तुषार मिश्रा ने धान की कटाई के बाद पैरा के उचित प्रबंधन एवं उपचार की जानकारी दी। उन्होंने जैविक अपघटक एवं उपलब्ध कृषि तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेषों को खेत में ही सड़ाकर जैविक पदार्थ के रूप में उपयोग करने के लिए किसानों को प्रेरित किया। कृषि विशेषज्ञ डॉ. ज्योति रमा भारद्वाज ने सरसों की उन्नत किस्मों, खाद-उर्वरक प्रबंधन एवं कीट प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर हुआ स्वास्थ्य शिविर

सरायपाली। भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की सेवा साधना और विश्व में भारत का गौरव बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर मोदी के जन्मदिन पर सेवा संकल्प अभियान के तहत जे.बी. अस्पताल सरायपाली द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर महासमुंद लोकसभा सांसद एवं भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई।कार्यक्रम के दौरान रूपकुमारी चौधरी ने सेवा संकल्प का संदेश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा और जनकल्याण के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना समाज और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। जे.बी. अस्पताल द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्र के नागरिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। शिविर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा समय पर जांच और चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित सेवा गतिविधियों का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता और जनकल्याण की भावना को पहुंचाना है।

भीमा कोटेश्वर धाम में पंचमी कार्यक्रम संपन्न

नगरी/धमतरी। तहसील नगरी के ग्राम कोटाभर्री स्थित प्रसिद्ध भीमा कोटेश्वर धाम में प्रदेश स्तरीय ऋषि पंचमी कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से वैद्यगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास मरकाम अध्यक्ष औषधि पादप बोर्ड छत्तीसगढ़ एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त उपस्थित थे वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सांसद कांकेर लोकसभा मोहन मंडावी, पूर्व विधायक सिहावा विधानसभा श्रवण मरकाम तथा प्रदेश अध्यक्ष वैद्यराज संघ छत्तीसगढ़ दशरथ नेताम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गुरुदेव

सत्यनारायण बाबा, कोटेश्वर महादेव धाम के सान्निध्य में ऋषि पंचमी के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा की गई। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे वैद्यगणों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

आयोजकों ने कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों, वैद्यगणों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामवासियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से प्रदेश स्तरीय ऋषि पंचमी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम ने धार्मिक आस्था के साथ.साथ पारंपरिक चिकित्सा एवं वैद्य परंपरा से जुड़े लोगों को एक मंच पर आने का अवसर भी प्रदान किया।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 310 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारत सेवा संघ द्वारा कैंप-2 पानी टंकी स्थित शासकीय नवीन प्राथमिक शाला के प्रांगण में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शासकीय नवीन प्राथमिक शाला, शासकीय माध्यमिक शाला और हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

शिविर में कुल 310 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ शुगर, ब्लड प्रेशर और सिकल सेल संबंधी जांच की गई। जांच के बाद सभी बच्चों को आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया।

आयोजक चंद्र प्रकाश सोनी ने बताया कि स्वास्थ्य जांच के दौरान चार बच्चे सिकल सेल पॉजिटिव पाए गए। इन बच्चों को आगे आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

शिविर में स्कूल के शिक्षकों ने भी स्वास्थ्य जांच कराई। शिक्षकों ने सिकल सेल और शुगर टेस्ट के साथ अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को लेकर चिकित्सकों से परामर्श लिया।

स्वास्थ्य शिविर में लाल बहादुर शास्त्री शासकीय अस्पताल, बैकुंठ धाम शासकीय अस्पताल, छावनी अस्पताल और कैंप-2 पानी टंकी

स्थित शासकीय अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष त्रिलोचन सिंह, प्रदीप सेन गुप्ता, शेख समीम, केवल सिंह, कमल सोनी, विजय सोनी सहित स्कूल का समस्त स्टाफ और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य बच्चों और आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंदों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा।

सनातन परंपरा का निर्वहन – विघ्नहर्ता श्री सिद्धिविनायक गणपति जी महाराज को अर्पित किया शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का प्रथम आमंत्रण

गत वर्ष श्री गणेश जी के आशीर्वाद से निर्विघ्न एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ था भव्य आयोजन, उसी मंगलकारी परंपरा को इस वर्ष भी आगे बढ़ा रही लालमैदान दुर्गोत्सव समिति

भिलाई। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि हमारे सनातन हिन्दू धर्म, संस्कृति एवं परंपरा में किसी भी शुभ कार्य को करने से पूर्व सर्वप्रथम प्रथम पूजनीय, विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना कर उनका आह्वान किया जाता है।

इसी सनातन संस्कृति एवं धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए सुभाष नवयुवक जागृति समिति, लालमैदान, पावर हाउस, भिलाई, जिसे लालमैदान दुर्गोत्सव समिति के नाम से भी जाना जाता है, ने इस वर्ष भी लालमैदान के पवित्र प्रांगण में आयोजित होने वाले 55वें शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का प्रथम आमंत्रण भिलाई के सुप्रसिद्ध एवं सिद्धपीठ श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर, सेक्टर-5, भिलाई में विराजमान भगवान श्री गणपति जी महाराज को अर्पित किया।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष समिति ने अपनी सनातन संस्कृति एवं परंपरा को ध्यान में रखते हुए एक विशेष पहल प्रारंभ की थी। लालमैदान में आयोजित होने वाले मातारानी के शारदीय नवरात्र उत्सव का प्रथम आमंत्रण भगवान श्री गणेश जी को अर्पित कर आयोजन को निर्विघ्न एवं सफल बनाने हेतु उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया था। श्री गणेश जी एवं मातारानी की असीम कृपा और आशीर्वाद से गत वर्ष का संपूर्ण शारदीय नवरात्र उत्सव अत्यंत भव्यता, दिव्यता एवं सुव्यवस्था के साथ निर्विघ्न और

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

उसी शुभ एवं मंगलकारी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी लालमैदान दुर्गोत्सव समिति, भिलाई के प्रतिनिधिमंडल ने श्री सिद्धिविनायक गणेश मंदिर, सेक्टर-5 पहुँचकर विधि-विधान से भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना की तथा शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का प्रथम आमंत्रण श्री गणपति जी महाराज को अर्पित किया। समिति के सदस्यों ने नतमस्तक होकर श्री गणेश जी का आह्वान किया कि गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी वे लालमैदान पधारें, अपना आशीर्वाद बनाए रखें और मातारानी के शारदीय नवरात्र उत्सव से जुड़े समस्त कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण हों।

इसके पश्चात समिति का प्रतिनिधिमंडल माँ राजराजेश्वरी मंदिर पहुँचा, जहाँ से प्रतिवर्ष मातारानी की पावन कलश यात्रा प्रारंभ होती है। यहाँ मातारानी की आरती एवं भोलेबाबा का अभिषेक किया गया। साथ ही मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं को भी शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का आमंत्रण अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इसके बाद प्रतिनिधिमंडल माँ सिंहवाहिनी मंदिर पहुँचा, जहाँ से प्रतिवर्ष लालमैदान में विराजमान होने वाले मातारानी के दिव्य मूर्ति स्वरूप का आगमन होता है। यहाँ पूजा-अर्चना कर मातारानी सहित मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं को शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का आमंत्रण अर्पित कर आयोजन हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इसी धार्मिक यात्रा के अगले क्रम में समिति का प्रतिनिधिमंडल एम्प्लॉयमेंट मैदान, पावर हाउस में विराजमान -सब्जी मंडी के राजा- श्री गणपति जी महाराज के दर्शन हेतु पहुँचा। यहाँ भी पूजा-अर्चना कर श्री गणपति जी महाराज को शारदीय नवरात्र उत्सव 2026 का आमंत्रण अर्पित किया गया तथा मंगलमय एवं निर्विघ्न आयोजन हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

ज्ञात हो कि सुभाष नवयुवक जागृति समिति, लालमैदान, पावर हाउस, भिलाई भिलाई-दुर्ग की प्राचीन एवं प्रमुख दुर्गोत्सव समितियों में से एक है। समिति पिछले 54 वर्षों से लालमैदान के पवित्र प्रांगण में शारदीय नवरात्र के अवसर पर मातारानी के भव्य एवं अनूठे पंडाल का निर्माण कराकर नवरात्र उत्सव का आयोजन करती आ रही है। अपने पंडाल एवं आयोजन के माध्यम से समिति प्रतिवर्ष धर्म, संस्कृति, संस्कार एवं सामाजिक समरसता से जुड़ा एक सार्थक संदेश समाज तक पहुँचाने का प्रयास करती है।

शारदीय नवरात्र के दौरान लालमैदान मातारानी के दर्शन हेतु आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनता है। इस वर्ष समिति के आयोजन का 55वां वर्ष है। इसी गौरवशाली यात्रा के अनुरूप समिति द्वारा इस वर्ष भी आयोजन को भव्य, दिव्य एवं सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने की तैयारियाँ की जा रही हैं।

अंत में समिति ने मंगलकामना की कि प्रथम पूजनीय विघ्नहर्ता श्री गणेश जी, देवाधिदेव महादेव भोलेबाबा एवं मातारानी की असीम कृपा और आशीर्वाद से लालमैदान का 55वां शारदीय नवरात्र उत्सव निर्विघ्न, भव्य, दिव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो। आयोजन समिति के समस्त सेवादारों, सभी श्रद्धालुओं, समस्त भिलाईवासियों सहित पूरे देशवासियों को श्री गणेश जी, भोलेबाबा एवं मातारानी का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त हो तथा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगल का संचार हो।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ लालमैदान दुर्गोत्सव समिति, भिलाई ने समस्त भिलाईवासियों सहित पूरे देशवासियों को श्री गणेश उत्सव की हार्दिक बधाई एवं ढेरों शुभकामनाएँ दीं।

दुर्ग में अब किफायती दरों पर मिलेगी ताजी और गुणवत्तापूर्ण सब्जी

सेवा संकल्प अभियान के तहत निगम की अभिनव पहल, मेयर अलका बाघमार ने 'सब्जी की टोकरी' केंद्र का किया शुभारंभ

दुर्ग, 18 सितंबर। नगर पालिक निगम दुर्ग ने शहरवासियों को ताजी, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण फल-सब्जियां किफायती दरों पर उपलब्ध कराने की दिशा में अभिनव पहल शुरू की है। सेवा संकल्प अभियान के तहत रायपुर नाका स्थित वार्ड क्रमांक 21 के पंचरत्न गार्डन में 'सब्जी की टोकरी' केंद्र का शुभारंभ महापौर अलका बाघमार ने किया।

इस अवसर पर एमआईसी सदस्य लीना दिनेश देवांगन, वार्ड पार्षद विद्यावती सिंह, चंद्रिका चंद्राकर, अरुण सिंह, कुमुद बघेल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

घर के नजदीक मिलेगी ताजी और सस्ती सब्जी– महापौर अलका बाघमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर प्रारंभ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत निगम द्वारा यह जनहितकारी पहल शुरू की गई है। 'सब्जी की टोकरी' का उद्देश्य नागरिकों को उनके आसपास ही ताजी, स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण और किफायती दरों पर फल-सब्जियां

उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि इस पहल से लोगों को बाजार जाने की परेशानी कम होगी और उनके नजदीक ही ताजी सब्जियां एवं फल उपलब्ध हो सकेंगे। आने वाले समय में कीटनाशक एवं रसायन मुक्त फल-सब्जियां उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे।

हर केंद्र पर दो महिलाओं को मिलेगा रोजगार– महापौर ने कहा कि 'सब्जी की टोकरी' केवल फल-सब्जी उपलब्ध कराने की योजना नहीं है, बल्कि इसे महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता से भी जोड़ा गया है। प्रत्येक केंद्र पर दो महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।

शहर में करीब 10 स्थानों पर खुलेंगे केंद्र– नगर निगम इसी तर्ज पर शहर के लगभग 10 अलग-अलग स्थानों पर किफायती सब्जी एवं फल की दुकानें शुरू करने की तैयारी में है। इसके लिए वार्ड क्रमांक 51 स्थित नाना-नानी पार्क सहित अन्य स्थानों को चिन्हित किया गया है। आने वाले दिनों में इन स्थानों पर भी 'सब्जी की टोकरी' केंद्र शुरू किए जाएंगे।

महापौर ने कहा कि निगम का उद्देश्य दुर्ग शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्मार्ट बनाने के साथ नागरिकों को बेहतर एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराना है। 'सब्जी की टोकरी' इसी दिशा में किया गया एक और जनहितकारी नवाचार है।

निगम की शहरवासियों से अपील– निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील की है कि वे किफायती दरों पर ताजी एवं गुणवत्तापूर्ण फल-सब्जियां खरीदने के लिए सेवा संकल्प अभियान के तहत शुरू किए गए 'सब्जी की टोकरी' केंद्र का लाभ उठाएं।

एकीकृत भुगतान प्रणाली पर शुल्क थोपना आम जनता की जेब पर डाका : विनोद चंद्राकर

महासमुंद। केंद्र की मोदी सरकार जनता को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही आम जनता पर अब एक नया आर्थिक हमला किया गया है। केंद्र सरकार ने दो हजार रुपये से अधिक के व्यापारी भुगतान पर चार दशमलव शून्य प्रतिशत शुल्क लगाने का निर्णय लिया है। पचहत्तर हजार से अधिक के भुगतान पर यह शुल्क तीन सौ रुपये तक वसूला जाएगा। यह फैसला पूरी तरह से जनविरोधी, व्यापारी विरोधी और अर्थव्यवस्था के लिए घातक है। उक्त वक्तव्य पूर्व संसदीय सचिव एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने सरकार के इस फैसले की कड़ी निंदा करते हुए व्यक्त की है।उन्होंने कहा कि आज देश का आम आदमी कमरतोड़ महंगाई से त्रस्त है। थोक महंगाई दर दस प्रतिशत के करीब पहुंच चुकी है। रसोई का बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है। लोगों की बचत खत्म हो रही है। ऐसे कठिन समय में सरकार को जनता को राहत देनी चाहिए थी, लेकिन राहत देने के बजाय सरकार ने अंकीय भुगतान पर नया कर थोपकर जनता की बची-खुची बचत को भी तबाह करने की योजना बना ली है। यह सरकार की जनविरोधी मानसिकता को उजागर करता है। यह फैसला सरकार के कथनी और करनी के अंतर का सबसे बड़ा प्रमाण है। संसद के भीतर देश के वित्त मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा था कि एकीकृत भुगतान प्रणाली पर किसी भी प्रकार का कर या शुल्क नहीं लगाया जाएगा। देश ने उस बयान पर भरोसा किया था।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू का बढ़ा संक्रमण, 24 नए मरीज मिले; एक्टिव केस पहुंचे 108 पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू (एच1एन1) का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट में 24 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही प्रदेश में सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 108 हो गई है। इनमें 87 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं, जबकि 21 मरीजों का उपचार घर पर चल रहा है। जनवरी से अब तक प्रदेश में 454 मरीज संक्रमित मिल चुके हैं। इनमें दूसरे राज्यों के 12 मरीज भी शामिल हैं। रायपुर संक्रमण के मामले में सबसे आगे है। यहां मंगलवार को आठ नए मरीज मिले। इसके अलावा राजनांदगांव में छह, बिलासपुर में पांच, रायगढ़ में तीन तथा बालोद और जशपुर में एक-एक मरीज की पुष्टि हुई है। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग ने 52 नमूनों की जांच की, जिनमें 24 की रिपोर्ट पाजिटिव आई। राजधानी में वर्तमान में 38 सक्रिय मरीज हैं। इनमें 36 अस्पताल में भर्ती हैं, जबकि दो मरीज घर पर उपचार ले रहे हैं। बिलासपुर और राजनांदगांव में 10-10 सक्रिय मरीज हैं। बिलासपुर में पांच अस्पताल में भर्ती और पांच होम आइसोलेशन में हैं। राजनांदगांव में छह अस्पताल और चार घर पर उपचार ले रहे हैं। कोरबा में आठों मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। दुर्ग में सात सक्रिय मरीजों में छह अस्पताल में हैं। महासमुंद में सात में पांच और बालोद में पांच में चार मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने तेज बुखार, गले में खराश, लगातार खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण होने पर स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की सलाह दी है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा नहीं लेने की अपील की गई है।

लव अफेयर के शक में नाबालिग पर कैंची से हमला, चेहरे पर किए कई वारय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पथरीपारा में लव अफेयर को लेकर 18 वर्षीय युवक ने एक नाबालिग किशोर पर कैंची से हमला कर दिया। हमले में किशोर के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सागर यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, सागर यादव का एक नाबालिग लड़की से अफेयर था। बाद में लड़की ने उससे दूरी बनाकर मोहल्ले के ही दूसरे नाबालिग से बातचीत शुरू कर दी। इसी बात को लेकर सोमवार रात सागर और किशोर के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर सागर ने कैंची से उसके चेहरे पर कई वार कर दिए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 109 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपराध कबूल किया, जिसके बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफ पहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। नाबालिग रहते हुए उसे एक अन्य मामले में बाल सुधार गृह भेजा गया था।

बेटे को जन्म देने के बाद मां ने पेड़ से फांसी लगाकर दी जान, अस्पताल से हुई थी लापता

रायपुर। कटघोरा थाना क्षेत्र के जेंजरा में बेटे को जन्म देने के बाद 23 वर्षीय महिला कविता केंवट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला 14 सितंबर की रात परिजनों से नाराज होकर अस्पताल से बिना बताए चली गई थी। रातभर तलाश के बाद मंगलवार दोपहर उसका शव जेंजरा मेन रोड के पास एक पेड़ से लटका मिला। जानकारी के मुताबिक, ग्राम छुरीकला निवासी कविता की दो साल पहले शादी हुई थी। 10 सितंबर को डिलीवरी के लिए उसे जीवांश अस्पताल जेंजरा में भर्ती कराया गया था, जहां उसने बेटे को जन्म दिया। नवजात की तबीयत खराब होने पर उसे आईसीयू में भर्ती रखा गया है। बताया जा रहा है कि कविता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह जल्दी गुस्सा व चिड़चिड़ी हो जाती थी। अस्पताल से लापता होने के बाद परिजनों ने सोशल मीडिया पर उसकी तस्वीर साझा कर तलाश में मदद मांगी थी। शव मिलने के बाद कटघोरा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी रोजमर्रा की जरूरतों और घरेलू खर्चों को पूरा कर पा रही हैं। जशपुर निवासी मेरा सिंह बताती हैं कि पति और बच्चों के न होने के बावजूद महतारी वंदन योजना के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहारा मिल रहा है। योजना के तहत हर माह मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से वे घर-खर्च और आवश्यक जरूरतों को पूरा कर रही हैं। मेरा सिंह कहती हैं, आज मैं अपने पैरों पर खड़ी हूं और अपनी जरूरतें खुद पूरी कर पा रही हूं। महतारी वंदन योजना से मुझे आर्थिक सहारा मिला है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

सवा लाख 'आशीर्वाद के दीपों' से जगमगाया खारुन तट

प्रधानमंत्री मोदी का छत्तीसगढ़ से रहा है गहरा आत्मीय जुड़ाव

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण को मिली नई गति : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिवस पर आज राजधानी रायपुर का महादेव घाट सवा लाख दीपों की ज्योति से जगमगा उठा। खारुन नदी के पावन तट पर आयोजित विराट दीपोत्सव एवं महाआरती 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय शामिल हुए और प्रदेशवासियों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। सवा लाख दीपों की एक साथ प्रज्वलित ज्योति से महादेव घाट का पूरा परिसर आलोकित हो उठा। श्रद्धा, आस्था और जनभागीदारी के इस अनुपम संगम के बीच खारुन मैया की भव्य महाआरती की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास, जनकल्याण और राष्ट्रीय स्वाभिमान के क्षेत्र में अनेक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी दिन-रात 140 करोड़ देशवासियों की सेवा में जुटे हैं और उनके नेतृत्व में आज भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज खारुन मैया के पावन तट पर प्रज्वलित सवा लाख दीप प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति छत्तीसगढ़वासियों के स्नेह, आत्मीयता और शुभकामनाओं की अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री श्री मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। विराट दीपोत्सव के दौरान साध्वी प्रज्ञा

भारती एवं आचार्यों द्वारा विधि-विधान के साथ खारुन मैया की महाआरती की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने भी महाआरती में सहभागिता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को समर्पित साध्वी प्रज्ञा भारती द्वारा रचित एवं स्वरबद्ध गीत का मुख्यमंत्री ने विमोचन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने ऐसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय और परिवर्तन देखे हैं, जिनकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने से लेकर अयोध्या में भगवान श्री रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने तक देश ने नए आत्मविश्वास और सामर्थ्य का अनुभव किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित में बड़े और दूरगामी निर्णय लिए गए हैं। उनके दृढ़ संकल्प, स्पष्ट दृष्टि और राष्ट्रसेवा की भावना ने देश में विकास और जनकल्याण की गति को तेज किया है। आज भारत विश्व मंच पर अधिक आत्मविश्वास और सामर्थ्य के साथ अपनी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए शासन का केंद्र हमेशा गरीब और समाज के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति रहा है। इसी भावना के अनुरूप गरीब परिवारों को पक्का आवास, घर-घर शौचालय, जन-धन खाते, रसोई गैस कनेक्शन, खाद्यान्न सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रत्येक देशवासी को अपने परिवार का सदस्य मानकर 'सबका साथ, सबका विकास' के ध्येय के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनकी सरकार ने गरीब की छोटी से छोटी आवश्यकता और उसके जीवन को बेहतर बनाने वाली सुविधाओं को शासन की प्राथमिकता बनाया है।

जीएसटी विभाग में 42 टैक्स इंस्पेक्टर्स की नियुक्ति रद्द.......

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के जीएसटी विभाग में वाणिज्यिक कर निरीक्षक बनने वाले 42 कर्मचारियों को अब अपने पुराने पद पर लौटना होगा। इन कर्मचारियों को 2021 और 2022 में हुई सीमित भर्ती परीक्षा के जरिए लिपिक पद से वाणिज्यिक कर निरीक्षक बनाया गया था। बाद में इस भर्ती परीक्षा को लेकर शिकायतें सामने आईं। इसके बाद जांच कराई गई। जांच में परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करने वाली कई गड़बड़ियां मिलीं। चयनित कर्मचारियों की कॉपियों में एक जैसे जवाब पाए गए। कुछ मामलों में दोबारा जांच के बाद अंक बढ़ने की बात भी सामने आई। वहीं, परीक्षा में कौन-कौन कर्मचारी शामिल हुए थे, इसका उपस्थिति रिकॉर्ड भी नहीं मिला। जांच रिपोर्ट के आधार पर राज्य कर आयुक्त पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने परीक्षा और उसके आधार पर हुए चयन को रद्द कर दिया। इसके साथ ही 42 कर्मचारियों को वाणिज्यिक कर निरीक्षक पद से हटाकर उनके मूल लिपिक पद पर वापस भेजने का आदेश जारी किया है। जांच समिति ने पाया कि कई चयनित अभ्यर्थियों की उत्तर-पुस्तिकाओं में एक जैसे जवाब लिखे गए थे। कुछ जवाब मॉडल आंसर से भी काफी हद तक मिलते थे। लस्ख की धाराओं और नियमों से जुड़े सवालों के जवाब में भी ऐसी समानता पाई गई। बताया जा रहा है कि गणित के कुछ सवालों में बिना रफवर्क किए सीधे उत्तर लिखे मिले। डॉ. खूबचंद बघेल की जीवनी पर पूछे गए निबंध में भी कुछ चयनित कैंडिडेट्स के जवाब एक जैसे पाए जाने की बात सामने आई। जांच के दौरान परीक्षा केंद्र की उपस्थिति पंजी ही नहीं मिली। ऐसे में यह साबित करने वाला मूल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था कि परीक्षा में कौन-कौन अभ्यर्थी शामिल हुए थे। जांच में पाया गया कि परीक्षा की समेकित अंक तालिका तैयार नहीं की गई थी। इससे यह पता लगाना मुश्किल हो गया कि किस अभ्यर्थी को कितने अंक मिले और मेरिट सूची किस आधार पर तैयार हुई।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाएं अपनी रोजमर्रा की जरूरतों और घरेलू खर्चों को पूरा कर पा रही हैं। जशपुर निवासी मेरा सिंह बताती हैं कि पति और बच्चों के न होने के बावजूद महतारी वंदन योजना के माध्यम से उन्हें आर्थिक सहारा मिल रहा है। योजना के तहत हर माह मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से वे घर-खर्च और आवश्यक जरूरतों को पूरा कर रही हैं। मेरा सिंह कहती हैं, आज मैं अपने पैरों पर खड़ी हूं और अपनी जरूरतें खुद पूरी कर पा रही हूं। महतारी वंदन योजना से मुझे आर्थिक सहारा मिला है।

आशीर्वाद का दिया से रोशन हुआ सेवा संकल्प

विकसित भारत 2047 में हर नागरिक की होगी महत्वपूर्ण भूमिका-रजवाड़े..

रायपुर/ संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान की पहली पहल 'आशीर्वाद का दिया' का आज सूरजपुर जिले में उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजन हुआ। जिले में 4 लाख 11 हजार 111 आशीर्वाद के दिए जलाकर सेवा, संकल्प और सकारात्मकता का संदेश दिया गया। जिला मुख्यालय स्थित रंगमंच में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने शाम 7 बजे दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने भी दीप प्रज्वलित कर अपनी सहभागिता निभाई। मंत्री

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि 'आशीर्वाद का दिया' के माध्यम से सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सेवा और जनहित से जुड़े कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि आगामी एक माह तक जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं और अनेक योजनाओं का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से पूरा होने वाला संकल्प है। इस लक्ष्य को हासिल करने में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

अमानत में खयानत से लेकर नशे और चाकूबाजी तक केस दर्ज......

रायपुर। संवाददाता

राजधानी में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में 15 सितंबर को चोरी, सड़क हादसे, अमानत में खयानत, अवैध शराब, चाकूबाजी और नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े मामले दर्ज किए गए। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, खम्हारडीह, आजाद चौक और कोतवाली क्षेत्र में तीन अलग-अलग मोटरसाइकिल चोरी की शिकायतें सामने आईं। वहीं उरला पुलिस ने नशीली दवा नाइट्रोजेपाम की 183 गोलियां बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। खम्हारडीह थाना क्षेत्र के बीआरआई ग्राउंड, शंकर नगर से 14 सितंबर को एक मोटरसाइकिल चोरी हो गई। प्रार्थी जगरजाशंकर निषाद की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया। चोरी गई फैशन प्रो मोटरसाइकिल की कीमत करीब 10 हजार रुपए बताई गई है। इसी तरह आजाद चौक थाना क्षेत्र में मंगलम थोक बाजार के सामने आमापारा से हौंडा सीबी साइन मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। प्रार्थी ललित कुमार के मुताबिक बाइक की कीमत करीब 25 हजार रुपए है। कोतवाली थाना क्षेत्र के पीएचई कॉलोनी, पुलिस लाइन में भी पल्सर 220 मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया। 13 सितंबर की रात करीब 10.30 बजे चोरी हुई बाइक की कीमत करीब 35 हजार रुपए बताई गई है। खमतराई थाना में अमानत में खयानत का मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के मुताबिक प्रार्थी संकल्प शर्मा ने आरोपी को आटा चक्की चलाने के काम पर रखा था। आरोप है कि आरोपी ने आटा बेचकर प्राप्त 1 लाख 76 हजार 355 रुपए प्रार्थी को नहीं दिए और रकम अपने पास रख ली। पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(4) के तहत मामला दर्ज किया है। डीडी नगर थाना क्षेत्र में सरोना शराब भट्ठी के पास चरौदा रोड नंबर-1 पर 14 सितंबर की रात सड़क हादसे में 34 वर्षीय उमेश विश्वकर्मा की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार अज्ञात वाहन चालक ने तेज और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार उमेश को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। सरस्वती नगर थाना में निर्माणाधीन मकान से बिजली के तार चोरी करने का मामला दर्ज किया गया है।

साइबर ठगी की रकम घुमाने वाले म्यूल खातों पर दुर्ग पुलिस की कार्रवाई, 6 खाता धारक गिरफ्तार

रायपुर। साइबर ठगी की रकम के लेनदेन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे म्यूल बैंक खातों के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह खाताधारकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते और उनसे जुड़े पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड दूसरे लोगों को उपलब्ध कराए थे। जांच में इन खातों के जरिए साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले म्यूल खातों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सुपेला और एसीसीयू ने यह कार्रवाई की। बैंक खातों के लेनदेन, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध जानकारी के विश्लेषण के बाद छह खाताधारकों की पहचान की गई। पुलिस के अनुसार थाना सुपेला के अपराध क्रमांक 679/2026 की विवेचना के दौरान साइबर ठगी से प्राप्त रकम के हस्तांतरण में इस्तेमाल बैंक खातों की जांच की गई। इसमें सामने आया कि संबंधित खाताधारकों ने ?2 हजार से ?15 हजार तक के कमीशन या प्रतिफल के बदले अपने बैंक खातों से जुड़े बैंकिंग साधन अन्य लोगों को उपलब्ध कराए थे।

आशीर्वाद के एक लाख दीपों से जगमगाया शिवरी नारायण का महानदी तट

■ विकसित भारत 2047 के संकल्प की सिद्धि में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण- विधायक श्री अमर अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जांजगीर-चांपा जिले में आज सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना का भव्य प्रदर्शन हुआ। शिवरीनारायण स्थित पावन महानदी तट पर आयोजित 'आशीर्वाद का दीप' कार्यक्रम में एक लाख दीप प्रज्वलित किए गए। एक साथ जगमगाए दीपों से महानदी घाट का दृश्य आलोकित हो उठा और सेवा, समर्पण तथा विकसित भारत के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचा। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक श्री अमर अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री पवन साय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, पूर्व संसदीय सचिव श्री अम्बेश जांगड़े, राजेश्री श्री महंत राम सुंदर दास, नगर पंचायत शिवरीनारायण अध्यक्ष श्री राहुल थवाईत, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में जिलेवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महानदी घाट पर महाआरती का भी आयोजन किया गया। विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ संपन्न महाआरती से पूरा घाट भक्तिमय वातावरण से भर उठा। विधायक श्री अमर अग्रवाल ने भगवान विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीप' के माध्यम से जनभागीदारी का यह आयोजन सेवा और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित की है। भारतीय संस्कृति और विरासत को आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। 'आशीर्वाद का दीप' में प्रज्वलित प्रत्येक दीप विकसित भारत 2047 के संकल्प के प्रति जनभागीदारी और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ये दीप सेवा, संकल्प और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बने हैं। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जांजगीर-चांपा जिले के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर भी दीप प्रज्वलित किए गए। जिलेवासियों ने अपने-अपने घरों में भी दीप जलाकर अभियान में सहभागिता की।

दो दिवसीय राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ समापन

41वें चक्रधर समारोह में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बढ़ाया पहलवानों का हौसला...

रायपुर/ संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 41वें चक्रधर समारोह के अवसर पर रायगढ़ के मोती महल परिसर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पुरुष एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता का उत्साहपूर्ण समापन हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न भार वर्गों में देश और प्रदेश के पहलवानों ने शानदार दांव-पेंच और खेल कौशल का प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। समापन समारोह में प्रदेश के वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने बजरंगबली की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रतियोगिता में शामिल पहलवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि चक्रधर समारोह केवल कला और संस्कृति का उत्सव नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण आयोजन भी है। रायगढ़ की ऐतिहासिक माटी पर महिला एवं पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन गौरव की बात है। कुश्ती हमारी समृद्ध खेल परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, जिसमें अनुशासन, साहस, धैर्य और निरंतर अभ्यास का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए उचित अवसर और प्रोत्साहन मिलना आवश्यक है। ऐसे आयोजन युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से सीखने का अवसर भी देते हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी पहलवानों के प्रदर्शन की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। राज्यसभा सांसद श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि चक्रधर समारोह रायगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। समारोह के साथ खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन इसे और व्यापक स्वरूप प्रदान करता है।

संपादकीय

लोकतंत्र में प्रदर्शन की आज़ादी और पुलिस की बेलगाम कार्रवाई पर उठे गंभीर सवाल

जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई और नोएडा मजिस्ट्रेट द्वारा दिए गए नोटिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करार दिया है। कुछ समय पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर काकरोच जनता पार्टी की अगुआई में विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के खिलाफ पुलिस ने जिस तरह की बेलगाम कार्रवाई की थी, उस पर हर तरफ से तीखे सवाल उठे थे।यह भी कहा गया कि अगर विद्यार्थियों का अपने मुद्दों पर बात करना, सरकार से खामियों को दुरुस्त करने की मांग करना इतना मुश्किल है और इसके बदले उन्हें पुलिस की बेरहम कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा, तो यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे के कितना अनुरूप है।यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मसले पर तीखी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई और मारपीट देखना बेहद दुखद है। अदालत ने यह भी कहा कि पुलिस अफसरों से अपेक्षित तटस्थता भी गायब होती दिख रही है। कायदे से पुलिस-प्रशासन और सरकार को अदालत की इस टिप्पणी पर गौर करते हुए अपने रवैये में सुधार करने की जरूरत थी। मगर शीर्ष अदालत की टिप्पणियों की पुलिस को कितनी फिक्र है, यह सिर्फ इतने से ही समझा सकता है कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन में शामिल होने को कारण बता कर विद्यार्थियों को नोटिस देना शुरू कर दिया गया है। जबकि इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट पुलिस के रवैये पर नाराजगी जता चुका है।गौरतलब है कि जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के एक छात्र के खिलाफ नोटिस जारी कर दिया था। इस मसले पर सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट को कड़ी फटकार लगाई। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने साफ शब्दों में कहा कि शीर्ष अदालत के पहले के आदेश के बावजूद मजिस्ट्रेट ने ऐसा नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की।दरअसल, अदालत ने अपने पहले के आदेश में साफ तौर पर कहा था कि किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ जबरन कार्रवाई नहीं की जाएगी। जाहिर है, दिल्ली में प्रदर्शन और उसमें हुई कार्रवाई के संदर्भ में अदालत ने एक तरह से स्पष्ट लहजे में पुलिस और प्रशासन को एक बार फिर उसकी सीमा याद दिलाई है। हालांकि छात्र को जारी नोटिस बाद में वापस ले लिया गया, लेकिन यह विचित्र है कि नोएडा की कार्यकारी मजिस्ट्रेट को यह कार्रवाई करते हुए अदालत के निर्देश का खयाल रखने की जरूरत महसूस नहीं हुई थी।सवाल यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद अगर किसी छात्र को प्रदर्शन में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया जाता है, इस दुस्साहस का स्रोत आखिर क्या है? क्या ऐसा परोक्ष रूप से सरकार के संरक्षण और निर्देश की वजह से किया जाता है? अगर ऐसा नहीं है, तो पुलिस या प्रशासन की नजर में शीर्ष अदालत के निर्देशों की क्या अहमियत है? यह समझना मुश्किल है कि जब पुलिस को किसी आंदोलन से निपटने के लिए तैनात किया जाता है, तो संवाद के जरिए समाधान की राह खोजने के बजाय कई बार वह बिना किसी हिचक के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अधिकतम बेरहम क्यों हो जाती है।

एक और छोटी सी बात ने सबका ध्यान खींचा। जब मोदी जा रहे थे, तो पुतिन उन्हें हवाई अड्डे तक छोड़ने गए। भारतीय अधिकारियों ने इस भाव को सहज बताया। मोदी के जाने से पहले दोनों नेताओं ने फिर से बात की। सोची सम्मेलन ने एक ऐसी बात स्थापित की जो आने वाले वर्षों में बार-बार दोहराई जाएगी। जब मोदी और पुतिन मिलते हैं, तो सबसे महत्वपूर्ण बातचीत जरूरी नहीं कि औपचारिक शिखर सम्मेलन की मेज पर ही हो। कुछ ही महीनों में यह प्रयोग दोहराया गया। पुतिन अक्टूबर 2018 में वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली पहुंचे। औपचारिक कार्यक्रम से पहले, मोदी ने अपने आधिकारिक आवास पर उनके लिए एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। इस रात्रिभोज को सोची में हुई उनकी बातचीत की निरंतरता के रूप में देखा गया। भारतीय अधिकारियों ने इस रिश्ते को एक लेन-देन से कहीं अधिक स्थायी बताया और इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेता दीर्घकालिक संबंधों के बारे में सोच रहे हैं।

भारत-रूस की दोस्ती का 'पावर शो'! दुनिया को दिया साफ संदेश

(विवेक अवस्थी)

यह तस्वीर द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की है। दोनों नेता एक कार में सवार होकर भारत मंडपम में प्रदर्शनी के लिए जा रहे हैं। दुनिया की तमाम उठापटक और अमेरिका-ईरान युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक खास तस्वीर निकलकर सामने आई। इस तस्वीर को लेकर तमाम एक्सपर्ट अपने-अपने तरीके से इसका विश्लेषण कर रहे हैं दरअसल, यह तस्वीर द्विपक्षीय बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की है। दोनों नेता एक कार में सवार होकर भारत मंडपम में प्रदर्शनी के लिए जा रहे हैं। इससे पहले दिल्ली में शुक्रवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात की। दोनों की यह मुलाकात करीब 45 मिनट तक चली। इस अहम सम्मेलन में दुनिया की नजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात पर रहेंगी। दोनों नेताओं की यह बैठक ब्रिक्स नेताओं के शिखर सम्मेलन के शुरू होने से एक दिन पहले हुई है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत-रूस संबंध एक जटिल अंतरराष्ट्रीय माहौल से गुजर रहे हैं, जिसमें यूक्रेन युद्ध, चीन पर रूस की बढ़ती निर्भरता और अमेरिका के साथ भारत के बदले संबंध रणनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। फिर भी, मोदी और पुतिन के बीच व्यक्तिगत संबंध उल्लेखनीय रूप से स्थिर रहे हैं। इसका एक कारण रक्षा सौदों और राजनयिक बयानों से कहीं अधिक स्पष्ट हो सकता है। पिछले एक दशक में, दोनों नेताओं ने अनौपचारिक रूप से बातचीत और मेलजोल के लिए बार-बार निजी, अनौपचारिक समय निकाला है और धीरे-धीरे इसे अपने संबंधों की एक विशिष्ट विशेषता बना लिया।

मॉस्को की वो शाम जब मामला व्यक्तिगत लगने लगा – इस अनौपचारिक मुलाकात की जड़ें दिसंबर 2015 में देखी जा सकती हैं, जब मोदी वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए मॉस्को गए थे। पुतिन ने औपचारिक शिखर सम्मेलन का इंतजार किए बिना ही प्रधानमंत्री के साथ कुछ निजी समय बिताने का फैसला किया। उन्होंने क्रेमलिन में मोदी से मुलाकात की और फिर मॉस्को के बाहर स्थित अपने आवास नोवो-ओगारयोवो में उन्हें रात्रि भोज पर आमंत्रित किया। क्रेमलिन ने इस मुलाकात को अनौपचारिक बताया था और कहा कि इसमें कोई पत्रकार मौजूद नहीं था। यह दोनों नेताओं के बीच एक निजी बातचीत थी। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने तो इस मुलाकात को रात्रि भोज पर दोस्ती का निर्माण तक कह दिया था। यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि नोवो-ओगारयोवो मात्र एक सरकारी इमारत नहीं है। यह पुतिन का निजी कार्यालय है और वह स्थान है जहां उन्होंने कई विदेशी नेताओं की निजी समारोहों में मेजबानी की है। मोदी को वहां ले जाने के निर्णय से संकेत मिलता है कि रूसी राष्ट्रपति आगामी औपचारिक शिखर सम्मेलन से अलग माहौल बनाना चाहते थे। उस शाम ने एक महत्वपूर्ण मिसाल भी कायम की थी। दोनों नेता अपने प्रतिनिधिमंडलों की मौजूदगी के बिना ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर सके। इसका मतलब यह नहीं था कि वे केवल निजी मामलों पर ही बात कर रहे थे। इसके विपरीत, निजी बातचीत में अक्सर रणनीतिक प्रश्न शामिल होते थे। जो बात बदली वह थी उन प्रश्नों पर चर्चा करने का माहौल।

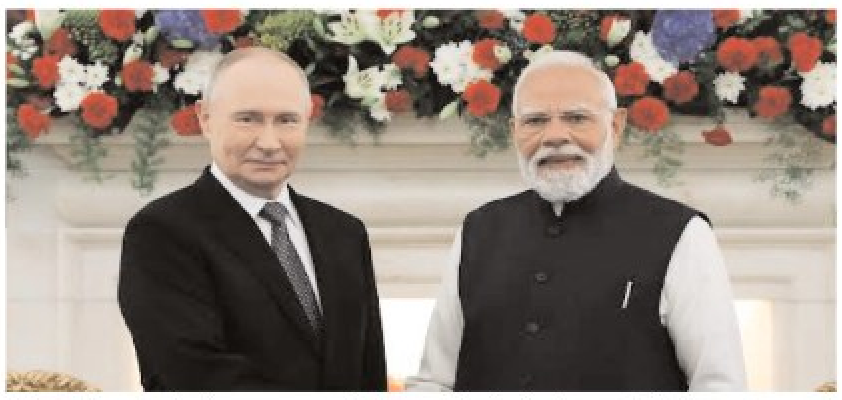

सोची ने अनौपचारिकता को प्रारूप बनाया – तीन साल बाद, पुतिन और मोदी ने इस विचार को और आगे बढ़ाया। 21 मई, 2018 को, मोदी लोकप्रिय पर्यटन स्थल, खूबसूरत काला सागर रिसॉर्ट सोची गए, जिसे भारतीय सरकार ने आधिकारिक तौर पर उनकी पहली अनौपचारिक शिखर बैठक बताया। वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के विपरीत यह किसी समझौते की लंबी सूची या औपचारिक वार्ता एजेंडा पर आधारित नहीं था। नेताओं से अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर निजी तौर पर कई घंटे बातचीत करने की उम्मीद थी। प्रस्तावित चर्चाएं बिना किसी एजेंडा और औपचारिक, औपचारिक राजनयिक संरचना के थीं। मोदी सुबह सोची पहुंचे। उन्होंने और पुतिन ने सीमित वार्ता की, जिसके बाद दोपहर का भोजन और आमने-सामने की बातचीत हुई। फिर उन्होंने मोया रूस एथनोग्राफिक सेंटर और सीरियस एजुकेशनल सेंटर का दौरा किया। उन्होंने बोचारोव क्रीक से ओलंपिक पार्क की ओर काला सागर में नाव से यात्रा भी की। नाव की सवारी बैठक की सबसे यादगार तस्वीरों में से एक बन गई, लेकिन इसका महत्व तस्वीर से कहीं अधिक था। दोनों नेता अपने-अपने कार्यक्रमों के बीच आते-जाते भी बातचीत जारी रख सके, बजाय इसके कि वे हर मिनट को एक सुनियोजित शिखर सम्मेलन कार्यक्रम का हिस्सा मानें। उन्होंने लगभग छह घंटे साथ बिताए। चर्चा के विषय मामूली नहीं थे। इनमें अफगानिस्तान, आतंकवाद, ईरान परमाणु समझौता और व्यापक अंतरराष्ट्रीय स्थिति शामिल थी। अनौपचारिक माहौल का मतलब यह नहीं था कि गंभीर कूटनीति का अभाव था। बल्कि इसने औपचारिकताओं के बिना गंभीर कूटनीति को संभव बनाया। एक और छोटी सी बात ने सबका ध्यान खींचा। जब मोदी जा रहे थे, तो पुतिन उन्हें हवाई अड्डे तक छोड़ने गए। भारतीय अधिकारियों ने इस भाव को सहज बताया। मोदी के जाने से पहले दोनों नेताओं ने फिर से बात की। सोची सम्मेलन ने एक ऐसी बात स्थापित की जो आने वाले वर्षों में बार-बार दोहराई जाएगी। जब मोदी और पुतिन मिलते हैं, तो सबसे महत्वपूर्ण बातचीत जरूरी नहीं कि औपचारिक शिखर सम्मेलन की मेज पर ही हो।

सोची की भावना दिल्ली पहुंची – कुछ ही महीनों में यह प्रयोग दोहराया गया। पुतिन अक्टूबर 2018 में वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली पहुंचे। औपचारिक कार्यक्रम से पहले, मोदी ने अपने आधिकारिक आवास पर उनके लिए एक विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया। इस रात्रिभोज को सोची में हुई उनकी बातचीत की निरंतरता के रूप में देखा गया। भारतीय अधिकारियों ने इस रिश्ते को एक लेन-देन से कहीं अधिक स्थायी बताया और इस बात पर जोर दिया कि दोनों नेता दीर्घकालिक संबंधों के बारे में सोच रहे हैं। वह निजी रात्रिभोज इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि यह औपचारिक कार्यक्रम के साथ-साथ हुआ, न कि उसके स्थान पर। वार्षिक शिखर सम्मेलन में रक्षा, व्यापार और अन्य सरकारी मुद्दों पर चर्चा हुई। नेताओं ने बस अपने लिए एक और माध्यम बना लिया। इस समय तक, भारत-रूस कूटनीति और मोदी-पुतिन कूटनीति के बीच का अंतर अधिक स्पष्ट होता जा रहा था।

व्लादिवोस्तोक ने इस रिश्ते को सार्वजनिक रूप दिया – सितंबर 2019 में पूर्वी आर्थिक मंच और वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए मोदी की रूस यात्रा के दौरान भी यही सिलसिला जारी रहा। पुतिन व्यक्तिगत रूप से मोदी के साथ ज्वेज्दा जहाज निर्माण परिसर के दौरे पर गए। दोनों नेता नाव से परिसर तक गए, जिससे उन्हें औपचारिक सम्मेलन कक्ष से दूर कुछ समय बिताने का मौका मिला। मोदी ने बाद में कहा कि वे इसे बहुत प्रभावित हुए। पुतिन ने मोदी के साथ एकांत रात्रिभोज भी किया। रूसी अधिकारियों ने ऐसी निजी बातचीत को नेताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय समस्याओं पर खुलकर और गोपनीय रूप से चर्चा करने का अवसर बताया। दो नेताओं का रात्रिभोज करना कोई असामान्य बात नहीं थी। असामान्य बात यह थी कि मोदी और पुतिन कितनी बार औपचारिक शिखर सम्मेलन के माहौल से अलग होने के अवसर तलाश रहे थे। यह रिश्ता अपनी एक अलग राह बना रहा था। एक निजी बातचीत, कुछ समय साथ यात्रा करना, भोजन, शायद कोई भ्रमण, और फिर आधिकारिक बैठक। फिर यूक्रेन का मुद्दा आया, और इस निजी संपर्क का महत्व और बढ़ गया। यूक्रेन युद्ध ने इस रिश्ते के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक परीक्षा खड़ी कर दी। भारत ने रूस को अलग-थलग करने के पश्चिमी अभियान में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन मोदी ने भी पुतिन के युद्ध का समर्थन नहीं किया। सितंबर 2022 में समरकंद में एससीओ शिखर सम्मेलन में मोदी ने पुतिन से सार्वजनिक रूप से कहा कि आज का युग युद्ध का नहीं है। इस टिप्पणी को व्यापक रूप से रूसी राष्ट्रपति के लिए एक सीधा संदेश माना गया। फिर भी इससे उनके संबंधों में कोई दरार नहीं आई। यहीं पर वर्षों की निजी बातचीत महत्वपूर्ण हो जाती है। दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर भी सीधा संपर्क बनाए रखा। युद्ध के शुरुआती महीनों के दौरान, मोदी ने पुतिन से यूक्रेन से भारतीय छात्रों की निकासी के बारे में बात की और उनसे यूक्रेनी नेतृत्व के साथ सीधे बातचीत करने का आग्रह किया। इसलिए, यह संबंध असहमति की अनुपस्थिति पर आधारित नहीं था।

बच्चों को बेहतर जिंदगी देने की चाह में छोटा हुआ परिवार, क्या बुजुर्गों का संसार भी सिमट गया?

(श्याम यादव)

सिमटते परिवारों के बीच रिश्तों और बुजुर्ग माता-पिता के अकेलेपन का सवाल गंभीर हो रहा है। बच्चे आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन दूरियां बढ़ रही हैं। तकनीक संपर्क तो बढ़ाती है, पर अपनापन और साथ नहीं दे सकती। माता-पिता जब बच्चे को बड़ा करते हैं, तो उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह नहीं होता कि आगे चलकर बच्चा उनके लिए क्या करेगा। उनकी चिंता यह होती है कि बच्चे को वह सब मिल जाए, जो वे उसे देना चाहते हैं। जो सुविधाएं उन्हें नहीं मिलीं, वे बच्चे को मिलें। जिस रास्ते पर उन्हें मुश्किलें आईं, बच्चे के लिए वह रास्ता कुछ आसान हो। शायद इसी इच्छा ने परिवारों की सोच भी बदली है। दो बच्चों के छोटे परिवार के बाद अब एक-संतान परिवार की धारणा भी इसी बदलाव का हिस्सा है। एक बच्चा हो, तो उसकी पढ़ाई-लिखाई पर अधिक खर्च किया जा सकता है, उसकी पसंद और जरूरतों को समझने के लिए अधिक समय दिया जा सकता है और उसके बेहतर भविष्य की तैयारी की जा सकती है। एक बच्चे को अधिक अवसर देने की इच्छा आज बहुत-से माता-पिता के फैसलों में दिखाई देती है। इसमें कुछ अस्वाभाविक भी नहीं है। मगर सवाल यह है कि परिवार छोटा होने के साथ क्या बच्चे का अपना संसार भी कुछ छोटा हो जाता है? एक समय घर में भाई-बहन होते थे और रिश्तेदारों की आवाजाही भी बनी रहती थी। दादा-दादी के पास बैठना, चाचा-चाची से झगड़ना, मामा-मौसी के घर जाना- इन सबका अपना महत्त्व था। बच्चा इन्हीं संबंधों के बीच बड़ा होता था। उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगता था कि हर बात अपनी इच्छा के अनुसार नहीं होती। कभी किसी की सुननी पड़ती थी, कभी अपनी चीज बांटनी पड़ती थी और कभी बिना किसी खास कारण के किसी के काम आना पड़ता था। एक बच्चे वाले परिवार में माता-पिता का ध्यान स्वाभाविक रूप से उसी पर अधिक रहता है। उसकी पढ़ाई, स्वास्थ्य, पसंद और भविष्य घर की बातचीत का बड़ा हिस्सा बन जाते हैं। कभी-कभी माता-पिता अपनी अधूरी इच्छाओं को भी बच्चे के भविष्य से जोड़ देते हैं। बच्चा सफल होता है तो लगता है जैसे उनकी मेहनत सफल हुई। फिर वही बच्चा बड़ा होकर अपनी राह पर निकलता है। पढ़ाई के लिए बाहर जाता है, नौकरी दूसरे शहर में मिलती है और फिर अपनी गृहस्थी तथा जिम्मेदारियों में व्यस्त हो जाता है। माता-पिता उसके आगे बढ़ने से खुश होते हैं। आखिर उन्होंने उसे रोकने के लिए तो नहीं पाला था! बच्चों की जिंदगी जितनी फैलती जाती है, कई बार माता-पिता का संसार उतना ही सिमटता जाता है। फोन है, वीडियो काल है, कभी त्योहार पर मुलाकात हो जाती है। जरूरत हो, तो पैसे भेज दिए जाते हैं। बीमारी में डाक्टर से सलाह भी मिल जाती है। बहुत-सी चीजें आसान हुई हैं। फिर भी उम्र के एक पड़ाव पर शायद इंसान को केवल सुविधा नहीं, किसी अपने की मौजूदगी की जरूरत भी होती है। हाल में एक बुजुर्ग पिता की मृत्यु से जुड़ी एक घटना सामने आई। उनकी संतानें अपने-अपने जीवन में दूर थीं और अंतिम समय में उनके पास पहुंच पाना संभव नहीं हुआ। आर्थिक मदद और वीडियो काल के जरिए अंतिम विदाई की बात सामने आई। यह घटना एक सवाल छोड़ती है कि क्या रिश्तों की जगह धीरे-धीरे व्यवस्थाएं ले रही हैं? किसी बुजुर्ग की दवा का इंतजाम किया जा सकता है। पैसे भेजे जा सकते हैं। किसी देखभाल करने वाले को रखा जा सकता है। यह सब जरूरी भी है, लेकिन इन सबके बीच वह व्यक्ति कहां है, जो उसके पास बैठकर उसकी बात सुन सके? बीमारी का खर्च उठाना और बीमारी के समय पास बैठना एक ही बात नहीं है। तकनीक ने दूरियों को कम करने में बहुत मदद की है। आज हजारों किलोमीटर दूर बैठे बच्चे भी अपने माता-पिता को रोज देख सकते हैं, लेकिन स्क्रीन पर दिखाई देने वाला चेहरा और सामने बैठा हुआ व्यक्ति एक जैसा अनुभव नहीं देते। शायद इसलिए संपर्क बढ़ने के बावजूद अकेलापन हमेशा कम नहीं हुआ है। एकल-संतान परिवारों के संदर्भ में यह बात और महत्त्वपूर्ण हो जाती है। एक बच्चे के लिए माता-पिता बहुत कुछ कर पाते हैं। अपनी आय, समय और ध्यान का बड़ा हिस्सा उसी पर लगा सकते हैं, लेकिन आगे चलकर वही बच्चा अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाए, तो माता-पिता के पास अपने भावनात्मक संसार को साझा करने वाले लोग भी कम हो सकते हैं। यह एक बच्चे के होने की समस्या नहीं, बल्कि छोटे होते पारिवारिक दायरे की एक चुनौती है। जीवन बदल चुका है। लोगों के रहने और काम करने के तरीके बदल गए हैं। मगर रिश्तों का अर्थ शायद इतना नहीं बदला है कि उनमें उपस्थिति की जरूरत ही न रहे। माता-पिता अगर बच्चे को अपना पूरा संसार बना लें, तो उसके दूर जाने पर उनका अकेलापन बढ़ सकता है। उम्र के साथ अपने मित्रों, रुचियों और सामाजिक जीवन को बनाए रखना भी जरूरी है। परिवार जीवन का बड़ा हिस्सा है, पूरा जीवन नहीं। फिर भी बच्चे को स्वतंत्र बनाना और उसे रिश्तों से मुक्त कर देना- इन दोनों में फर्क है। उसे अच्छी शिक्षा देना जितना जरूरी है, उतना ही यह समझ देना भी जरूरी है कि जीवन में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं, जिन्हें सुविधा के हिसाब से नहीं निभाया जाता। परिवार छोटा होना कोई समस्या नहीं।

नशे की गिरफ्त में भारत- करोड़ों लोग कर रहे ड्रग्स का इस्तेमाल, युवाओं पर सबसे बड़ा संकट

मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और मणिपुर जैसे उत्तर-पूर्वी राज्य ओपियोइड और नशीली दवाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सिंथेटिक मादक पदार्थों और हेरोइन का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। दरअसल, भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों के बीच फंसा हुआ है।

(प्रमोद कुमार बाजपेई)

भारत में नशे की लत गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। करोड़ों लोग शराब, कैनबिस और ओपियोइड्स की गिरफ्त में हैं। युवाओं को बचाने के लिए इलाज, जागरूकता और सख्त कार्रवाई जरूरी है। उस व्यक्ति की त्रासदी का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है, जिसका बेटा नशे का आदी हो चुका है। इसी वजह से उसकी पढ़ाई छूट चुकी है और अब वह दिन भर कंप्यूटर गेम खेलता रहता है या दिन भर ट्रक के अड्डे पर जुआ खेलता रहता है। पिता इसलिए परेशान हैं कि वह अब उसके मादक पदार्थों पर भी हाथ साफ करने लगा है और उसे अपने बेटे के भविष्य का अनुमान है और अब वह इसी को लेकर फिक्रमंद है। हालांकि खुद पचास का पिता भी नशे के जाल में इस कदर फंसा हुआ है, उसके हाथ कांपने लगे हैं और वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पाता है। बीते कुछ महीने के भीतर ऐसे मामले अब तेजी से बढ़ने लगे हैं। जिनका नशे की लत की वजह से सब कुछ बर्बाद हो चुका है, वैसे लोग अब परामर्श और आपात हस्तक्षेप तक के लिए मनोचिकित्सकों या काउंसलरों के पास पहुंचने लगे हैं। संकट की भयावहता के चलते केंद्र सरकार अब नशा मुक्त भारत अभियान की बात कर रही है और राज्यों के मुख्यमंत्री भी नशाखोरी के विरुद्ध बड़ी-बड़ी रैलियां कर रहे हैं। युवाओं को शपथ दिलवाया जा रहा है, स्कूल-कालेजों को नशे के विरुद्ध माहौल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं नशे के खिलाफ लड़ाई के लिए पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त किया जा रहा है तथा बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। मगर इसी बीच यह खबर भी आती है कि पंजाब में एक ग्रामीण ने जब मादक पदार्थों की धड़ल्ले से आपूर्ति पर सवाल उठाया, तो उसे प्रताड़ित किया गया और आखिर उसने आत्महत्या कर ली। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एम्स के 'नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर' के सहयोग से जारी की गई आधिकारिक रिपोर्ट 'मैग्नीट्यूड आफ सब्सटेंस यूज इन इंडिया' के आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि मादक

पदार्थों की खरीद-बिक्री और नशे की समस्या अब केवल कुछ महानगरों या सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित नहीं रही। यह एक सर्वव्यापी राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल और सामाजिक संकट का रूप ले चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 10 से 75 वर्ष की आयु वर्ग के बीच लगभग 16 करोड़ लोग शराब का सेवन करते हैं, जिनमें से 5.7 करोड़ से अधिक लोगों को तत्काल चिकित्सीय उपचार की आवश्यकता है। वहीं, लगभग 3.1 करोड़ लोग भांग, गांजा या चरस जैसे कैनबिस उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति ओपियोइड्स (अफीम, हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स) के मामले में है। भारत में ओपियोइड का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग तीन गुना अधिक है। देश में करीब 2.26 करोड़ ओपियोइड उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से साठ लाख से अधिक लोग इस लत के गंभीर दुश्चक्र में फंस चुके हैं। इससे भी अधिक विचलित करने वाला तथ्य यह है कि देश के लगभग 1.7 फीसद बच्चे और किशोर (यानी करीब अठारह लाख बच्चे) 'इन्हेलेंट्स' यानी सूंघने वाले नशे जैसे थिनर, फ्लूइड, सरेष आदि के जाल में फंस चुके हैं। हाल के वर्षों में एमडीएमए, मेथमफेटामाइन और अवैध दवाओं (सिंथेटिक ओपियोइड्स) की मांग और जब्ती में आया भारी उछाल यह साबित करता है कि नशे का बाजार अब पारंपरिक से बदलकर अत्यधिक घातक रासायनिक स्वरूप अख्तियार कर चुका है।

मादक पदार्थों की यह विभीषिका पूरे देश में फैली है, लेकिन भौगोलिक और सामरिक कारणों से कुछ राज्य इसके गढ़ बन गए हैं। मिजोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और मणिपुर जैसे उत्तर-पूर्वी राज्य ओपियोइड और नशीली दवाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दूसरी ओर, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सिंथेटिक मादक पदार्थों और हेरोइन का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। दरअसल, भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अवैध अफीम उत्पादक क्षेत्रों के बीच फंसा हुआ है। इसके पश्चिम में 'गोल्डन क्रिसेंट' (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान) है और पूर्व में 'गोल्डन ट्रायंगल' (म्यांमार, लाओस और थाईलैंड) है। इससे भारत न केवल मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक प्रमुख 'ट्रांजिट रूट' बना, बल्कि धीरे-धीरे एक विशाल उपभोक्ता बाजार में भी तब्दील हो गया। वर्तमान में डार्कवेब, क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन तकनीक के माध्यम से होने वाली उच्च-तकनीक तस्करी के संजाल ने इस चुनौती को कई गुना बढ़ा दिया है। नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति को केवल एक 'अपराधी' या 'चरित्रहीन' के चश्मे से देखना हमारी भूल होगी। चिकित्सा विज्ञान के अनुसार मादक पदार्थों या ड्रग की लत एक मानसिक बीमारी है। शुरुआत में युवा वर्ग गलाकाट प्रतिस्पर्धा, करिअर की अनिश्चितता, बेरोजगारी जनित अवसाद या सहकर्मियों के दबाव के कारण अनजाने में इस दलदल में कदम रखता है, लेकिन धीरे-धीरे रासायनिक निर्भरता के कारण व्यक्ति का अपने मस्तिष्क पर नियंत्रण नहीं रहता। जब कोई व्यक्ति इस लत से बाहर निकलना चाहता है, तो सबसे बड़ी बाधा 'विड्राल सिम्प्टम्स' यानी तड़प और शारीरिक कष्ट तथा समाज में व्याप्त 'सामाजिक लांछन' बनते हैं। सामाजिक बहिष्कार के डर से पीड़ित या उसका परिवार समय पर मदद मांगने या नशामुक्ति केंद्र जाने से कतराता है। परिणामत: यह समस्या बंद कमरों के भीतर ही सुलगती रहती है और आखिरकार आत्महत्या या गंभीर अपराधों के रूप में सामने आती है। महंगी लत को पूरा करने के लिए युवा वर्ग चोरी, झपटमारी और यहां तक कि जघन्य अपराधों की राह पकड़ लेता है। इस महामारी से निपटने के लिए वर्तमान में आपूर्ति, मांग और नुकसान में कमी की त्रिआयामी रणनीति पर काम किया जा रहा है। एक ओर कड़े एनडीपीएस अधिनियम के तहत तस्करों की गिरफ्तारियां कर संपत्तियां कुर्क की जा रही हैं, तो दूसरी ओर देश में सरकारी और मान्यता प्राप्त नशामुक्ति केंद्रों की संख्या बढ़ा कर 780 से अधिक की गई है, जिनके माध्यम से 8.20 लाख से अधिक लोगों को इलाज और पुनर्वास का लाभ मिल चुका है। मगर कड़े कानूनों और पुलिसिया कार्रवाइयों की अपनी एक सीमा है। वे केवल आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं।

विधायक लता उसेंडी और केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम हुए शामिल, रक्तदाताओं से संवाद कर किया उत्साहवर्धन

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला अस्पताल कोंडागांव में रक्तदान शिविर का आयोजन

कोंडागांव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ ही 'विकसित भारत 2047' के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प लिया जा रहा है। इसी क्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला शाखा कोंडागांव द्वारा जिला अस्पताल कोंडागांव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी तथा केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम शामिल हुए। उन्होंने रक्तदाताओं से मुलाकात कर संवाद किया तथा उनके इस पुनीत कार्य के लिए उत्साहवर्धन किया। दोनों विधायकों ने जिलेवासियों से भी स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने और जरूरतमंद मरीजों की सहायता में अपना योगदान देने की अपील की। इस दौरान कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे। इस अवसर पर पांच नई एंबुलेंस को भी अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक लता उसेंडी ने भगवान विश्वकर्मा जयंती के दिन पांच नई एंबुलेंस का शुभारंभ भी जनसेवा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा और समर्पण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं, महिलाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों के विकास तथा देश के समग्र विकास के लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। विधायक उसेंडी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ इच्छाशक्ति से बस्तर को माओवाद से मुक्त करने की दिशा में भी सफलता मिली। इस कार्य में सुरक्षा बलों, पुलिस विभाग और आम नागरिकों के योगदान को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिसकी शुरुआत रक्तदान शिविर से हुई है। उन्होंने कहा कि कई बार अस्पतालों में रक्त की कमी के कारण मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ऐसी स्थिति से बचने के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आम नागरिकों को भी जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है और किसी की जान बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

एथलेटिक्स ट्रायल में बीजापुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन,6 ने जीते प्रथम स्थान

13 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, गोवा में होने वाली वेस्ट जोन चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का करेंगे प्रतिनिधित्व

बीजापुर। रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चयन ट्रायल में बीजापुर के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रथम और द्वितीय स्थान हासिल किए। 12 और 13 सितंबर को स्वामी विवेकानंद स्टेडियम, कोटा में हुए ट्रायल में बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के 13 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें 8 बालिका और 5 बालक खिलाड़ी शामिल थे। अंडर-14 बालक वर्ग में रोहित वेंडजा ने 60 मीटर दौड़, लंबी कूद और ऊंची कूद में प्रथम स्थान हासिल किया। इसी वर्ग में पुनेम पाकलू ने 60 मीटर दौड़, लंबी कूद और 600 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-16 बालिका वर्ग में अंजली कारम ने पेंटाथलॉन की 60 मीटर दौड़, 80 मीटर हर्डल्स, लंबी कूद, गोला फेंक और 600 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। 80 मीटर हर्डल्स में उन्हें द्वितीय स्थान भी मिला। किच्चे बिमला ने 60 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। निर्मती तेलम ने ऊंची कूद और लंबी कूद में दूसरा स्थान हासिल किया। नताशा तेलामी ने शॉटपुट और जेवलिन थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

27 से 29 सितंबर तक गोवा में मुकाबला-चयनित खिलाड़ी 27 से 29 सितंबर तक गोवा में होने वाली 37वीं वेस्ट जोन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। सभी खिलाड़ी शासकीय नवीन कन्या विद्यालय बीजापुर और एकलव्य बीजापुर के छात्र-छात्राएं हैं। कलेक्टर विश्वदीप ने खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रभारी खेल अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर उत्तम सिंह पंचारी तथा कोच संदीप कुमार गुप्ता मौजूद रहे।

सीजीपीएससी परीक्षा में पारदर्शिता पर उठे सवाल

नारायणपुर। जिला कांग्रेस कमेटी नारायणपुर द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने परीक्षा प्रक्रिया, उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन तथा साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों के चयन में पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाते हुए सरकार एवं आयोग से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2025 में 265 पदों के लिए 608 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु चिन्हांकित किया गया है। 265 पदों के तीन गुने के आधार पर 795 अभ्यर्थियों की संख्या बनती है। हालांकि, सीजीपीएससी ने 4 सितंबर को जारी स्पष्टीकरण में कहा था कि प्रत्येक प्रश्न-पत्र में निर्धारित न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त नहीं करने के कारण 795 के बजाय 608 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए चिन्हांकित हुए हैं। आयोग के अनुसार अनारक्षित वर्ग के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र में न्यूनतम 33 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के लिए 23 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश दीवान जी ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2024 की कुछ उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में कथित विसंगतियों का मुद्दा उठाया। नेताओं ने समान अथवा गलत उत्तरों के मूल्यांकन में अलग-अलग अंक दिए जाने के उदाहरणों का हवाला देते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अभ्यर्थियों के भविष्य से जुड़े मामले में मूल्यांकन प्रक्रिया और उसके मानदंडों को लेकर पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। वहीं, सीजीपीएससी का कहना है कि उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहचान रहित तरीके से विषय विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है। मामले के निराकरण तक सीजीपीएससी के साक्षात्कार स्थगित किए जाएं। सभी अभ्यर्थियों की उत्तर-पुस्तिकाएं साक्षात्कार से पहले सार्वजनिक की जाएं। मूल्यांकन के स्पष्ट मानदंड एवं मॉडल उत्तर सार्वजनिक किए जाएं। उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उत्तर-पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की व्यवस्था पर विचार किया जाए। साक्षात्कार में 1:3 अनुपात को लेकर आयोग स्पष्ट स्थिति सार्वजनिक करे।

सालेभाट में नवीन धान खरीदी केंद्र हेतु विधायक नीलकंठ टेकाम ने किया भूमिपूजन

10 गांवों के किसानों को अपने क्षेत्र में ही मिलेगी धान विक्रय की सुविधा

कोंडागांव। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सालेभाट के अंतर्गत नवीन धान खरीदी केंद्र साले भाट के लिए आज भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में केशकाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीलकंठ टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, ग्राम प्रमुखों, किसान प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सालेभाट की सरपंच अंजू तुलेश नेताम ने की। क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से पहुंचे सरपंच, ग्राम पटेल, गायता एवं जनप्रतिनिधियों ने नवीन धान खरीदी केंद्र की स्थापना को क्षेत्र के किसानों के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया। इस केंद्र के शुरू होने से ग्राम पंचायत साले भाट एवं चिपरेल के अंतर्गत आने वाले 10 गांवों के किसानों को अपने क्षेत्र के नजदीक ही धान विक्रय की सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि गांव में नवीन धान खरीदी केंद्र की शुरुआत होना क्षेत्र के किसानों के लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य के लिए उन्हें धान विक्रय के लिए दूर नहीं जाना पड़े, इसके लिए शासन द्वारा लगातार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। विधायक टेकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' में सभी से सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत आयोजित 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में सभी नागरिक अपने-अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और विकास का वातावरण बनने से अब हमें विकास की गति को और तेज करते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने तथा विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। नवीन धान खरीदी केंद्र शुरू होने से किसानों को धान विक्रय के लिए दूरस्थ केंद्रों तक परिवहन करने में लगने वाले समय और अतिरिक्त परेशानी से राहत मिलेगी। इससे क्षेत्र के किसानों के लिए धान विक्रय प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है। ग्रामीणों ने नवीन धान खरीदी केंद्र की स्थापना पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया।

स्वच्छता की शपथ से शुरू हुआ स्वच्छता ही सेवा 2026 का अभियान, एसईसीएल भटगांव में ई-वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण पर रहेगा विशेष जोर, स्वच्छता में अव्वल विभाग होगा सम्मानित

सूरजपुर। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत 'स्वच्छता में सहभागिता, स्वच्छ भारत-विकसित भारत' के संदेश के साथ एसईसीएल भटगांव क्षेत्र में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' एवं स्पेशल कैंपेन 6.0 का शुभारंभ गुरुवार को स्वच्छता शपथ के साथ हुआ। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय महाप्रबंधक शरद कुमार तिवारी ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं श्रमसंघ प्रतिनिधियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी-कर्मचारी एवं श्रमसंघ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।शपथ कार्यक्रम के बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कर्मचारियों से स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्पेशल कैंपेन 6.0 के प्रारंभिक चरण में कार्यालयों एवं आवासीय परिसरों से निकलने वाले निष्प्रयोज्य इलेक्ट्रॉनिक कचरे यानी ई-वेस्ट के व्यवस्थित प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।अभियान के तहत सभी विभागों एवं कॉलोनियों से ई-वेस्ट का प्रभावी संग्रहण, सामान्य कचरे से उसका वैज्ञानिक एवं सुरक्षित पृथक्करण तथा निर्धारित नियमों के अनुरूप पर्यावरण अनुकूल निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर रहेगा। स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए विभागों के बीच प्रतिस्पर्धा भी आयोजित की जाएगी। विशेष मूल्यांकन समिति द्वारा समय-समय पर विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण कर स्वच्छता व्यवस्था का मूल्यांकन किया जाएगा। अभियान के समापन अवसर पर 2 अक्टूबर, गांधी जयंती के दिन बेहतर स्वच्छता व्यवस्था वाले विभाग को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा।अभियान के दौरान भटगांव क्षेत्र की विभिन्न खदानों, परियोजनाओं एवं आवासीय परिसरों में वृहद स्वच्छता अभियान, ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राइव, वृक्षारोपण और जनजागरूकता रैलियों सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। एसईसीएल भटगांव क्षेत्र द्वारा इस अभियान के माध्यम से स्वच्छता को महज एक अभियान तक सीमित न रखते हुए उसे दैनिक कार्यसंस्कृति का हिस्सा बनाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

झीरम घाटी मामले में 10 दोषियों को मृत्युदंड पर CPI ने उठाए सवाल

व्यक्तिगत भूमिका और शमनकारी परिस्थितियों की समीक्षा की मांग

सुकमा। झीरम घाटी हमले के मामले में जगदलपुर की विशेष छह्ह अदालत द्वारा 10 दोषियों को मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (छह्ह), छत्तीसगढ़ ने सजा को लेकर सवाल उठाए हैं। छह्ह ने कहा कि झीरम घाटी में मारे गए सभी लोगों और उनके परिवारों के प्रति पार्टी की संवेदना है तथा राजनीतिक हिंसा और हत्या के किसी भी रूप का समर्थन नहीं किया जा सकता।पार्टी ने कहा कि गंभीर अपराध में न्याय और पीड़ित परिवारों के अधिकार महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सजा तय करते समय प्रत्येक दोषी की व्यक्तिगत भूमिका, अपराध में वास्तविक भागीदारी, उम्र, लंबे समय से कारावास, जेल में आचरण, सामाजिक परिस्थितियों और सुधार की संभावना का भी गंभीरता से परीक्षण किया जाना चाहिए। छह्ह ने मृत्युदंड की न्यायिक समीक्षा के दौरान सभी दोषियों की व्यक्तिगत भूमिका और शमनकारी परिस्थितियों पर स्वतंत्र रूप से विचार करने की मांग की है। पार्टी ने छत्तीसगढ़ सरकार की 28 मार्च 2025 की नक्सल आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार हिंसा का रास्ता छोड़ने वालों को समाज की मुख्यधारा में लौटने का अवसर दे रही है। ऐसे में मृत्युदंड पाए व्यक्तियों के मामलों में भी व्यक्तिगत परिस्थितियों और सुधार की संभावना पर गंभीर विचार किया जाना चाहिए। छह्ह राष्ट्रीय परिषद सदस्य मंजू कवासी ने कहा कि झीरम घाटी के पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए, लेकिन न्याय की प्रक्रिया में व्यक्तिगत जिम्मेदारी, मानवीय गरिमा और सुधार की संभावना को भी महत्व मिलना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ्न्याय केवल सजा देने का नाम नहीं है; पीड़ित परिवारों के अधिकारों के साथ-साथ निष्पक्ष सुनवाई और कानून के समान अनुप्रयोग को भी स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने बस्तर में स्थायी शांति के लिए न्याय, संवाद, पुनर्वास और विकास को समान महत्व देने की आवश्यकता बताई।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

बस्तर में 'सेवा संकल्प अभियान' का भव्य आगाज,7 लाख दीयों की रोशनी से जगमग हुआ जिला

जगदलपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में ऐतिहासिक 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बस्तर जिले में महीने भर चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। इस पावन अवसर पर समूचे जिले में सात लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए, जिसमें ऐतिहासिक मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत सवा लाख और पूरे शहर में ढाई लाख से अधिक दीयों की रोशनी बिखरी। इसके साथ ही जिले के ग्रामीण इलाकों में साढ़े चार लाख दीप प्रज्वलित किए गए। दीप प्रज्वलन के साथ अभियान की शुरुआत करते हुए छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर की जनता ने यह दीप जलाकर नक्सलमुक्त बस्तर की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता और आशीर्वाद प्रकट किया है। जनसमूह को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि सुरक्षा बलों के अदम्य शौर्य और जनसहयोग की बदौलत नक्सलवाद का कैडर अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। अपने बस्तर भ्रमण का संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले पचास वर्षों से जिस बारूद की गंध में बस्तर जकड़ा हुआ था, वहां अब महुआ की महक और पारंपरिक मेलों-मड़ईयों की रौनक लौट आई है, तथा ग्रामीण बेखौफ होकर अपने आराध्य देवी-देवताओं का पूजा अर्चना कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एनआईए जांच और सरकार की ठोस नीतियों के चलते 9 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया, 14 का पुनर्वास हुआ और न्यायिक इतिहास में 10 दोषियों को मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। थानों और गांवों में पुराने मामलों की विस्तृत जानकारी भी संकलित की जा रही है ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके। उप मुख्यमंत्री ने देश में वर्ष 2014 के बाद आए नीतिगत बदलावों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देश 'पॉलिटिक्स विद परफॉर्मेंस' के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। स्वास्थ्य क्षेत्र में आए क्रांतिकारी बदलावों के तहत देश में एमबीबीएस की सीटें 51 हजार से बढ़कर एक लाख 29 हजार से अधिक हो चुकी हैं, दंतेवाड़ा में नया मेडिकल कॉलेज खुला है और एम्स की संख्या 7 से बढ़कर 22 तक पहुंच गई है। इसके साथ ही धारा 370 की समाप्ति, सर्जिकल व एयर स्ट्राइक के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में महापौर संजय पाण्डे और जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप ने भी बस्तर में शांति, विकास और रोजगार के नए अवसरों पर विचार रखे। इस दौरान छत्तीसगढ़ युवा आयोग अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि और कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी श्री बीएन मीणा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय खन्ना सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सरगुजा ओलंपिकः रामचंद्रपुर में तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय खेल का शुभारंभ, जनप्रतिनिधि व अधिकारियों की रस्साकसी से हुआ आगाज

बलरामपुर, विकासखंड रामचंद्रपुर में 18, 19 एवं 20 नवंबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय विकासखंड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक खेल का शुभारंभ जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री मुंद्रिका सिंह के मुख्य आतिथ्य में फीता काटकर किया गया। आयोजन की शुरूआत जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों की टीमों के बीच खेली गई रस्साकसी से हुई, जिसने उपस्थित दर्शकों में उत्साह का संचार किया। प्रथम दिवस एथलेटिक्स स्पर्धाओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ भागीदारी की। स्पर्धा में विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री मुंद्रिका सिंह, श्री अरूण केशरी, श्री सीताराम गुप्ता, श्री शैलेष गुप्ता, श्रीमती शर्मिला गुप्ता, श्री विकास गुप्ता, श्री पवन गुप्ता, श्री अनोज यादव, श्री श्रवण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), तहसीलदार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, करारोपण अधिकारी, खेल शिक्षक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी, खेल प्रतिभागी एवं खेल प्रेमी दर्शक कार्यक्रम में शामिल हुए।

जिला अस्पताल की डायलिसिस सुविधा बनी मरीजों के लिए वरदान

बलरामपुर। जिले के किडनी रोगियों के लिए जिला चिकित्सालय बलरामपुर में वर्ष 2022 से संचालित डायलिसिस सुविधा बड़ी राहत साबित हो रही है। पहले डायलिसिस कराने के लिए मरीजों और उनके परिजनों को अंबिकापुर अथवा झारखंड के डाल्टनगंज तक जाना पड़ता था, लेकिन अब जिला अस्पताल में ही यह सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को लंबी दूरी तय करने और अतिरिक्त खर्च से राहत मिली है। जिला चिकित्सालय में वर्तमान में पांच डायलिसिस मशीनों के माध्यम से मरीजों को नियमित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यहां प्रतिमाह करीब 220 से 240 डायलिसिस सेशन किए जा रहे हैं, जबकि प्रतिदिन औसतन 8 से 10 मरीजों का डायलिसिस किया जाता है। जिले के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ जिला मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से भी मरीज उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। डायलिसिस टेक्नीशियन विजय ठाकुर ने बताया कि मरीजों की सुविधा को देखते हुए सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। नियमित डायलिसिस की आवश्यकता वाले मरीजों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार उपचार दिया जाता है, जिससे उन्हें बाहर के शहरों में जाने की आवश्यकता कम हुई है। मुख्य जिला एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार ने बताया कि जिला चिकित्सालय में पांच डायलिसिस मशीनें उपलब्ध हैं और वर्ष 2022 से जिलेवासियों को डायलिसिस की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि इसका लाभ जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को मिल रहा है।

मेहंदीपारा में पहली बार महिला कमांडो का गठन

जांजगीर-चांपा। थाना चांपा क्षेत्र के मेहंदीपारा में नशे के दुष्प्रभावों और अवैध कारोबार के खिलाफ जनजागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में शहरी क्षेत्र में पहली बार महिला कमांडो का गठन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, उपाध्यक्ष अमरदीप खटकर, चांपा सेवा संस्थान के पुरुषोत्तम शर्मा, पार्षद, जनप्रतिनिधि और मोहल्लेवासी शामिल हुए। पुलिस ने नागरिकों से संवाद कर नशे से दूर रहने, परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने तथा युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने की अपील की। इस दौरान महिला कमांडो और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से मेहंदीपारा व आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। पुलिस ने बताया कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से महिला कमांडो का गठन किया जा चुका है, जबकि शहरी क्षेत्र में यह पहल पहली बार की गई है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल से पूजा के डॉक्टर बनने के सपने को मिला संबल

आर्थिक तंगी और दिव्यांगता को मात देकर पूजा ने पास की नीट,मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में मिला प्रवेश.......

अम्बिकापुर। प्रतिभा और आगे बढ़ने के दृढ़ संकल्प के सामने आर्थिक अभाव कभी बाधा नहीं बन सकते। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा है कि आर्थिक कमजोरी के कारण प्रदेश के किसी प्रतिभावान विद्यार्थी की उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की राह न रुके। इसी संवेदनशील सोच ने सरगुजा जिले की आदिवासी बेटी कुमारी पूजा सिंह के डॉक्टर बनने के सपने को नया संबल दिया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से आने वाली और 66 प्रतिशत दिव्यांग पूजा ने तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद नीट-2026 में सफलता हासिल कर मेडिकल कॉलेज जगदलपुर में प्रवेश प्राप्त किया है। अब उनकी आर्थिक स्थिति मेडिकल की पढ़ाई में बाधा न बने, इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से शिक्षण शुल्क के लिए 2 लाख 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा जरूरतमंद एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप आर्थिक अभाव को पूजा की मेडिकल शिक्षा में बाधा नहीं बनने दिया गया। पूजा की पारिवारिक एवं आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने डीएमएफमद से ढाई लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की। कलेक्टर अजीत वसंत ने पूजा की उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य निर्माण की शुभकामनाएं

दीं। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद पूजा ने जिस लगन और मेहनत से सफलता हासिल की है, वह दूसरे विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। कुमारी पूजा सिंह विकासखंड सीतापुर के ग्राम राधापुर की निवासी हैं। राधापुर विकासखंड मुख्यालय सीतापुर से लगभग 8 किलोमीटर दूर रायगढ़ रोड पर स्थित है। पूजा के पिता श्री चक्रधर सिंह दूसरी शादी के बाद दूसरी पत्नी के साथ निवास करते हैं। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारी उनकी मां के कंधों पर है। पूजा की मां के पास स्वयं की कृषि भूमि नहीं है। परिवार के भरण-पोषण के लिए वे गांव में अन्य लोगों के खेतों में मजदूरी करती हैं। सीमित आमदनी और संसाधनों के अभाव के बीच उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा जारी रखी। वहीं पूजा ने भी परिस्थितियों के सामने हार मानने के बजाय पढ़ाई को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। पूजा की प्रारंभिक शिक्षा गांव से ही हुई। उन्होंने प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर की पढ़ाई राधापुर में पूरी की। इसके बाद हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी की शिक्षा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीतापुर से प्राप्त की। उन्होंने वर्ष 2022 में कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए बड़े शहर जाकर महंगी कोचिंग लेना उनके लिए संभव नहीं था। इसके बावजूद पूजा ने अपने लक्ष्य को नहीं छोड़ा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत माता राजमोहनी देवी वार्ड में वृक्षारोपण.....

अंबिकापुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-12, माता राजमोहनी देवी वार्ड में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वार्ड पार्षद मनोज गुप्ता द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, महापौर मंजूषा भगत, नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, भाजपा जिला महामंत्री विनोद हर्ष, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास पांडेय सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने का भी

आह्वान किया गया। भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। अनुराग सिंह देव ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम लगाना प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। प्रत्येक व्यक्ति पौधा लगाने के साथ उसकी देखभाल का भी संकल्प ले, ताकि हमारा शहर हरित और स्वच्छ बन सके। कार्यक्रम के माध्यम से एक पेड़ माँ के नाम का संदेश देते हुए हरित, स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में सभी से सहभागिता का आह्वान किया गया।

सर्वेश्वरी समूह कोनी में धूमधाम से मनाई गई अघोरेश्वर जयंती..

- झींगटपुर के आश्रित ग्राम मांझीपारा में 69 निशुल्क मच्छरदानियों बांटी गई

बिलासपुर। श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा कोनी में शुक्रवार को अघोरेश्वर महाप्रभु की जयंती धूमधाम व श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सेवा व सामाजिक सरोकार के तहत ब्लॉक कोटा के ग्राम पंचायत झींगटपुर के आश्रित ग्राम मांझीपारा में ग्रामीणों के बीच 69 निशुल्क मच्छरदानियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा के मंत्री उमेश नारायण मिश्रा ने मंदिर में माल्यार्पण, धूप-दीप प्रज्वलन, विधिवत पूजन और आरती के साथ किया गया। इसके बाद सद् गंथ सफल योनि

का पाठ किया गया और उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच सूक्ष्म प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर शाखा के मंत्री उमेश नारायण मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को श्री सर्वेश्वरी समूह का 66वाँ स्थापना दिवस आश्रम प्रांगण में पारंपरिक विधि-विधान के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं व समूह से जुड़े सदस्यों से कार्यक्रम में शामिल होकर अपनी सहभागिता देने और आयोजन को सफल बनाने की अपील की।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुनरीक्षण समिति की बैठक

- बैंकिंग समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश – योजनाओं से जुड़े हर पात्र व्यक्ति तक पहुँचे ऋ ण का लाभ

बलरामपुर। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं पुनरीक्षण समिति (डीएलसीसी/डीएलआरसी) की जून 2026 तिमाही की बैठक आयोजित की गई। इसमें जिले में बैंकिंग प्रगति, बैंकिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, ऋण-जमा अनुपात, वार्षिक साख योजना 2026-27, किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा ऋण, प्रधानमंत्री जनधन योजना, सुरक्षा बीमा एवं अटल पेंशन योजना तथा शासन की अन्य योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की

गई। समीक्षा में सामने आया कि जिले का ऋण-जमा अनुपात मार्च 2026 की स्थिति में 40.30 प्रतिशत से बढ़कर 30 जून 2026 को 44.29 प्रतिशत हो गया है, जो बैंकिंग क्षेत्र की सकारात्मक दिशा दर्शाता है। इसी अवधि में कुल अग्रिम 1528.69 करोड़ रुपये से बढ़कर 1584.28 करोड़ रुपये तक पहुँचा। प्राथमिक क्षेत्र में 867.34 करोड़, कृषि क्षेत्र में 588.96 करोड़ तथा एमएसएमई क्षेत्र में 182.71 करोड़ रुपये का ऋण वितरित पाया गया। वर्तमान में जिले में 80 शाखाएं, 49 एटीएम एवं 1813 बीसी आउटलेट कार्यरत हैं, साथ ही भरतपुर, रनहत, शंकरगढ़ एवं कुसमी क्षेत्र में चार नवीन शाखाएं प्रस्तावित हैं, जिनमें से कुछ अक्टूबर माह में प्रारंभ होने की संभावना है। किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत जून तिमाही में 5766 नए कार्ड जारी किए गए और जिले में कुल 43597 केसीसी प्रचलन में हैं, जिनकी राशि 171.31 करोड़ रुपये है। पशुपालन एवं मत्स्य पालन क्षेत्र में भी हितग्राहियों को इसका लाभ मिला है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में 12419 प्रकरणों के माध्यम से 162.47 करोड़ रुपये का ऋण प्रवाहित हुआ है, जबकि जनधन योजना के तहत 8.71 लाख से अधिक खाते खोले गए हैं, जिनमें 5.16 लाख से अधिक महिलाओं के हैं। बैठक में कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने 01 नवम्बर 2027 को आयोजित होने वाले राज्योत्सव को लक्ष्य मानते हुए एक हजार हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें अटल पेंशन योजना से जोड़ने का टारगेट दिया। उन्होंने कहा कि कृषि मित्र, स्वयं सहायता समूह की दीदियों एवं मितानिनों को प्राथमिकता से इस योजना का लाभ दिलाया जाए, जिससे उन्हें वृद्धावस्था में नियमित आर्थिक संबल प्राप्त हो।

प्रधानमंत्री जनमन आवास से बदली फूलेश की जिंदगी, पहाड़ी कोरवा परिवार को मिला पक्का आशियाना

अम्बिकापुर// सेवा संकल्प और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के अभियान के तहत प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना (ग्रामीण) जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है। ग्राम पंचायत आमादरहा, जनपद पंचायत अम्बिकापुर की पहाड़ी कोरवा जनजाति की हितग्राही श्रीमती फूलेश पति श्री बाबूलाल के जीवन में भी इस योजना ने खुशियों की नई शुरुआत की है। फूलेश का परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। मिट्टी की दीवारों और कमजोर छत वाले घर में बारिश के दिनों में पानी टपकने से परिवार को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। परिवार के लिए सुरक्षित और पक्का घर एक सपना था। वर्ष 2023-24 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत फूलेश के आवास को 2.00 लाख रुपये की लागत से स्वीकृति मिली। समय पर प्राप्त किस्तों और जनपद पंचायत की ओर से मिले तकनीकी मार्गदर्शन से उन्होंने अपने पक्के आवास का निर्माण पूरा किया। आज फूलेश अपने पति के साथ अपने नए पक्के घर के सामने गर्व से खड़ी हैं। घर की दीवार पर प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना का लोगो भी अंकित है, जो उनके जीवन में आए इस बदलाव की कहानी बयां करता है।

घर मिलने और सुरक्षित महसूस करने से चेहरे पर आई खुशी-

फूलेश कहती हैं, पहले हम कच्चे घर में बहुत तकलीफ में रहते थे। बारिश के दिनों में घर में पानी टपकता था। सरकार ने हमें पक्का मकान दिया है। अब हमारे बच्चे भी घर में सुरक्षित रहते हैं। प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद। प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना ने फूलेश के परिवार को सिर्फ एक पक्का मकान ही नहीं दिया, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी दी है। विशेष रूप से पहाड़ी कोरवा जैसी विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के परिवारों के लिए यह योजना उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

जिला पंचायत सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने बतौली जनपद में विकास कार्यों का किया सघन निरीक्षण......

- पीएम आवास एवं पीएम जनमन आवास के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश
- अप्रारंभ और बंद पड़े आवासों का कार्य तत्काल शुरू कराने पर जोर, हितग्राहियों से संवाद कर जानी समस्याएं

अम्बिकापुर। जिला पंचायत सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने शुक्रवार को जनपद पंचायत बतौली अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का सघन भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना तथा विकसित भारत जी-राम-जी के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत बासेन, सिलमा एवं गोविंदपुर में निर्माणाधीन कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सुश्री श्रीवास्तव ने आवास योजना के हितग्राहियों से सीधे संवाद कर आवास निर्माण की वर्तमान स्थिति और निर्माण में आ रही व्यावहारिक समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को हितग्राहियों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने तथा अप्रारंभ और बंद पड़े आवासों को शीघ्र प्रारंभ कराकर निर्माण में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत बासेन में सीईओ जिला पंचायत ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का

निरीक्षण किया। उन्होंने हितग्राहियों से चर्चा कर आवास निर्माण की प्रगति और निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों को आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही मैदानी अमले को हितग्राहियों से सतत संपर्क बनाए रखते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए, जिससे आवासों को समय पर पूर्ण कराया जा सके। ग्राम पंचायत सिलमा में सुश्री श्रीवास्तव ने निर्माणाधीन बालिका शौचालय के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत चल रहे आवास निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर तकनीकी सहायक से आवासों की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने विकसित भारत जी-राम-जी के अंतर्गत अधिक से अधिक मजदूरीमूलक कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र जिला पंचायत को उपलब्ध कराने कहा, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगारमूलक कार्यों को गति दी जा सके। ग्राम पंचायत गोविंदपुर में सीईओ जिला पंचायत ने प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। उन्होंने आवास हितग्राहियों से बातचीत कर निर्माण की स्थिति एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान तकनीकी सहायक, पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक को अप्रारंभ आवासों का निर्माण तत्काल शुरू कराने तथा जिन आवासों का निर्माण कार्य बंद पड़ा है।

राधा अष्टमी पर राधा रानी और भगवान कृष्ण की पूजा

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा अष्टमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी तिथि पर श्री राधा रानी का प्राकट्य हुआ था। इस वजह से भक्तों के लिए यह दिन बेहद खास माना जाता है। इस साल राधा अष्टमी 19 सितंबर 2026, शनिवार को मनाई जाएगी। पंचांगों में भी 19 सितंबर को राधा अष्टमी दर्ज है।पंचांग के अनुसार भाद्रपद शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 18 सितंबर को दोपहर करीब 1 बजे शुरू होगी और 19 सितंबर को दोपहर करीब 3:26 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर राधा अष्टमी 19 सितंबर को मनाई जाएगी। ब्रज क्षेत्र में इस पर्व का विशेष उत्साह देखने को मिलता है। बरसाना, वृंदावन, मथुरा और नंदगांव में राधा रानी की विशेष पूजा और धार्मिक आयोजन किए जाते हैं।

राधा अष्टमी 2026 पूजा का शुभ समय

राधा रानी की पूजा के लिए दोपहर का समय विशेष माना जाता है। पंचांग स्रोत के अनुसार अलग-अलग शहरों में पूजा के समय में कुछ मिनट का अंतर हो सकता है। उदाहरण के लिए महिषादल में मध्याह्न पूजा का समय 10 :19 बजे से 12 :45 बजे तक बताया गया है। इसलिए अपने शहर के स्थानीय पंचांग के अनुसार सही समय देखना उचित रहेगा।

राधा अष्टमी पर कैसे करें पूजा?

राधा अष्टमी के दिन सुबह स्नान करके साफ कपड़े पहनें। पूजा स्थल की अच्छी तरह सफाई करें और राधा रानी के साथ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद राधा रानी को पंचामृत से अभिषेक कराएं। उन्हें नए वस्त्र, फूल और आभूषण अर्पित करें। धूप और दीप जलाकर विधि-विधान से पूजा करें। श्रद्धा के अनुसार राधा रानी के मंत्रो का जाप करें और आरती करें। पूजा के अंत में फल, मिठाई या घर में बने सात्विक भोजन का भोग लगाएं। परिवार के सदस्यों के साथ प्रसाद ग्रहण करें।

राधा अष्टमी का धार्मिक महत्व

राधा रानी को भक्ति, प्रेम और समर्पण का स्वरूप माना जाता है। राधा अष्टमी उनके प्राकट्य दिवस के रूप में मनाई जाती है। धार्मिक परंपरा में इस दिन राधा-कृष्ण की पूजा को विशेष महत्व दिया गया है।

राधा अष्टमी व्रत का पारण कब करें:

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, राधा अष्टमी व्रत का पारण अगले दिन सूर्योदय के पश्चात करना उत्तम माना जाता है। व्रत का पारण 20 सितंबर 2026, रविवार को सुबह 05 :57 बजे के बाद किया जा सकेगा।

रसोई में तवा रखते समय न करें ये गलतियां

रसोई में रखा तवा सिर्फ खाना बनाने के काम नहीं आता, बल्कि वास्तु शास्त्र में इसे घर की ऊर्जा से भी जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि तवे को रखने का सही तरीका घर की सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा को प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि तवे को लेकर वास्तु में कुछ खास नियम बताए गए हैं। आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्य से तवा रखने के सही तरीके और जरूरी वास्तु नियम।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तवे को रसोई की उत्तर या पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है।

पूर्व दिशा: इस दिशा में तवा या चूल्हा रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

दाहिनी ओर रखें: खाना बनाते समय तवे को चूल्हे या बर्नर की दाहिनी तरफ रखना शुभ माना जाता है।

उल्टा तवा न रखें :- इस्तेमाल करने या धोने के बाद तवे को कभी भी उल्टा करके न रखें। वास्तु मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा और आर्थिक परेशानियां बढ़ सकती हैं।

तवे को खड़ा करके न रखें :-तवे को हमेशा समतल जगह पर रखें। इसे दीवार से टिकाकर खड़ा रखना वास्तु के अनुसार शुभ नहीं माना जाता है।

गर्म तवे पर पानी न डालें :-खाना बनाने के तुरंत बाद गर्म तवे पर पानी नहीं डालना चाहिए। इससे तेज भाप और आवाज निकलती है। वास्तु मान्यता के अनुसार, ऐसा करना घर के लिए शुभ नहीं माना जाता है।

महालक्ष्मी व्रत धन की देवी मां लक्ष्मी को समर्पित

महालक्ष्मी व्रत धन की देवी मां लक्ष्मी को समर्पित है। यह एक अत्यंत फलदायी व्रत है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को विधिपूर्वक करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है, जिससे आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही, घर की सुख-समृद्धि में भी वृद्धि होती है।

कब से शुरू होगा व्रत?

महालक्ष्मी व्रत भाद्रपद शुक्ल अष्टमी से शुरू होता है। 2026 में महालक्ष्मी व्रत की शुरुआत 19 सितंबर, शनिवार से हो रही है और इसका समापन 3 अक्टूबर को होगा। अष्टमी तिथि 18 सितंबर दोपहर से शुरू होकर 19 सितंबर दोपहर तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, व्रत 19 सितंबर से माना जाएगा। महालक्ष्मी व्रत 16 दिवसीय होता है। हालांकि, तिथियां घटने-बढ़ने के कारण किसी साल उपवास दिनों की संख्या 15 या 17 भी हो सकती है। पंचांग गणना के अनुसार, इस बार कुल 15 उपवास दिन पड़ रहे हैं।

वैभव लक्ष्मी से अंतर

महालक्ष्मी व्रत और वैभव लक्ष्मी व्रत एक नहीं है, दोनों में बहुत अंतर है। महालक्ष्मी व्रत भाद्रपद शुक्ल अष्टमी से जुड़ी लंबी व्रत परंपरा है, जिसमें लगातार 16 तिथियों तक पूजा और संकल्प किया जाता है। वहीं, वैभव लक्ष्मी व्रत की शुरुआत आम तौर पर किसी भी शुक्रवार से की जा सकती है और 11 या 21 शुक्रवार तक इसका संकल्प लिया जाता है। दोनों में पूजा की परंपरा, विधि और व्रत की अवधि अलग है। शुक्रवार को मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कुछ उपाय भी बताए गए हैं।

हाथी पूजा की परंपरा

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में इसे हाथी पूजा से भी जोड़ा जाता है। परिवार मिट्टी या चांदी के हाथी पर देवी को विराजमान कर गजलक्ष्मी स्वरूप में पूजा करते हैं। कुछ जगह केले के पत्तों से सजावट की जाती है। सोलह गांठों वाला डोरा और जवारे पूजा में रखे जाते हैं। परंपरा के अनुसार अंतिम दिन विशेष पूजा की जाती है।

चूक जाएं तो क्या करें?

अगर यात्रा, अचानक आई किसी परेशानी के कारण व्रत के बीच एक दिन की पूजा या उपवास नहीं हो पाए, तो इसे अगले दिन जोड़कर व्रत पूरा करने की परंपरा है। यानी एक दिन का व्रत छूटा है, तो अंत में एक दिन बढ़ाकर संकल्प पूरा किया जा सकता है। हालांकि, लगातार कई दिन व्रत छूट जाने पर कुछ परंपराओं में इसे अधूरा माना जाता है और अगले भाद्रपद में दोबारा व्रत शुरू करने की मान्यता है। बुजुर्ग, गर्भवती स्त्री या अस्वस्थ लोग क्षमता अनुसार संक्षिप्त रूप में पूजा कर सकते हैं। मासिक धर्म के दौरान पूजा को लेकर अलग परंपराएं हैं; कुछ घरों में महिला स्वयं पूजा सामग्री को न छूकर मानसिक रूप से व्रत रखती है और परिवार का अन्य सदस्य पूजा करता है। ऐसे मामलों में अपने परिवार की परंपरा और पूजा-पद्धति के अनुसार नियम का पालन करना बेहतर है।

महालक्ष्मी व्रत विधि

16 गांठों वाला डोरा: व्रत के पहले दिन स्नान करके 16 तारों या धागों से एक विशेष डोरा तैयार किया जाता है। इसमें 16 गांठें लगाई जाती हैं। मां लक्ष्मी की पूजा करने के बाद इस डोरे को कलाई पर बांधा जाता है। इसे पूरे व्रत के दौरान संकल्प के प्रतीक के रूप में रखा जाता है।

दैनिक लक्ष्मी पूजा: व्रत के दिनों में सुबह और शाम मां लक्ष्मी की पूजा करने की परंपरा है। पूजा के दौरान धूप-दीप जलाकर माता को कमल गट्टे, लाल फूल और मिष्ठान अर्पित किए जाते हैं। श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार मां लक्ष्मी का ध्यान और मंत्र जप भी कर सकते हैं।

समापन: आश्विन कृष्ण अष्टमी को मां महालक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। इस दिन 16 मीठे पुए या पूड़ियों का भोग लगाते हैं। अंतिम दिन व्रत का उद्यापन किया जाता है। सुहागिन महिलाओं को दान-दक्षिणा देकर व्रत पूर्ण किया जाता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के जातकों के लिए बदलाव और नए अवसर लेकर आएगा। वर्कप्लेस में लाभ के नए रास्ते खुल सकते हैं। सोशल लाइफ में आपका प्रभाव और कार्यक्षेत्र बढ़ेगा। किसी नए संपर्क से भविष्य में फायदा मिल सकता है।कामकाज से जुड़े मामलों में आपको लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा लोगो को किसी नई जिम्मेदारी या प्रोजेक्ट के जरिए अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिल सकता है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि के जातकों को किसी नई प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा। इनकम बढ़ाने के नए साधन मिल सकते है। सामाजिक स्तर पर मान-सम्मान और यश मे वृद्धि होने के योग है किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर नवीन योजना बन सकती है, जिससे भविष्य मे लाभ मिलने की सभावना है। आमदनी मे वृद्धि के अवसर मिलेगे और आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा मे आप आगे बढ़ेगे।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों के लिए उत्साह और उमंग से भरा रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।आपके अंदर नई ऊर्जा महसूस होगी और काम को पूरा करने का उत्साह बढ़ेगा। नौकरी करने वाले जातकों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों को अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने में सफलता मिलेगी। सोच-समझकर किए गए फैसलों से लाभ मिलने की संभावना है। आज आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत हो सकती है। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अनावश्यक खर्चों में कमी आने से आर्थिक स्थिति को बेहतर तरीके से संभाल पाएंगे।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों को मकान, वाहन या अन्य भौतिक सुख-सुविधाएं मिलेगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। विरोधियों पर आपका प्रभाव बना रहेगा।कार्यक्षेत्र मे विरोधियो पर विजय प्राप्त करने मे सफल रहेंगे। दाम्पत्य जीवन मे मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे। आज बड़े और जल्दबाजी वाले फैसले लेने से बचना ही समझदारी होगी।

कन्या राशि - कन्या राशि के जातको के लंबे समय से रुका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होने की संभावना है। संतान से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। आपकी कोई पुरानी महत्वाकांक्षा पूरी हो सकती है।नई प्रॉपर्टी खरीदने का संयोग बन सकता है। नया मकान, जमीन या संपत्ति खरीदने का संयोग बन सकता है। लंबे समय से रुका हुआ कोई जरूरी काम पूरा होने से आपको राहत मिलेगी।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों को नई योजनाओं को पूरा करने में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कल जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर निर्णय लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आपकी बुद्धि और चतुराई आर्थिक समस्याओं को दूर करने में मदद करेगी आपकी बुद्धि और चतुराई आर्थिक परेशानियों को दूर करने में मदद करेगी।आपकी बात का आसपास के लोगों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप महत्वपूर्ण फैसले बेहतर तरीके से ले पाएंगे। लंबे समय से चली आ रही किसी परेशानी से राहत मिलने की संभावना है। व्यवसाय की स्थिति में सुधार आएगा और कामकाज से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। अचानक किसी नए स्रोत से धन लाभ हो सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति संतुलित होगी।

धनु राशि- धनु राशि के जातकों को आमदनी के साधनों में सुधार होने के संकेत हैं। परिवार के किसी सदस्य से शुभ समाचार मिल सकता है। आर्थिक मामलों में स्थिति पहले से बेहतर होने की संभावना है। कर्मक्षेत्र में अनुकूल वातावरण रहेगा और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आने के संकेत हैं। कारोबार के लिहाज से भी दिन लाभकारी रहेगा।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों की कुछ नए लोगों से संबंध बन सकते हैं, जो भविष्य में आपके लिए उपयोगी साबित होंगे। पारिवारिक परेशानियों से राहत मिलने के योग हैं। नौकरी बदलने की योजना बना रहे हैं तो फिलहाल जल्दबाजी न करें।पारिवारिक परेशानी से छुटकारा मिलने के कारण मन को राहत मिलेगी और घर का माहौल बेहतर होगा।घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातक अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें और किसी से बातचीत करते समय सोच-समझकर शब्दों का प्रयोग करें। सरकारी नौकरी करने वालों को नया पद या अधिकार मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।घर का माहौल खुशनुमा रहेगा और परिवार में आपसी विश्वास तथा प्रेम बढ़ेगा।

मीन राशि- मीन राशि के जातकों के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा होगी। लंबे समय से बकाया रकम मिलने की संभावना है। श्रेष्ठजनों का सहयोग मिलेगा, जिससे रोजी-रोजगार के क्षेत्र में उन्नति के रास्ते खुलेंगे।आपकी कही हुई कोई बात किसी करीबी व्यक्ति को परेशान कर सकती है, इसलिए बातचीत में संयम और मधुरता बनाए रखें। जीवनसाथी आपकी बातों और विचारों से प्रभावित हो सकते हैं, जिससे दाम्पत्य संबंधों में सकारात्मकता आएगी।

बालों का झड़ना रोकने के लिए किस तरह बनाएं हेयर मास्क?

आज के समय में बालों का झड़ना एक बहुत ही कॉमन प्रॉब्लम बन गई है। दुनिया की एक बड़ी आबादी ऐसी है जो इस समय हेयर फॉल की प्रॉब्लम से जूझ रही है। जब बालों का झड़ना शुरू होता है, तो हमें हर तरफ अपने टूटे हुए बाल देखने को मिलते हैं। ये बाल कभी कंघी करते समय टूट जाते हैं, तो कभी शैम्पू करते समय झड़ने लगते हैं। अक्सर जब बालों का झड़ना शुरू होता है, तो इसे रोकने के लिए हम महंगे से महंगे प्रोडक्ट्स और हेयर ऑयल्स का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। ये सभी चीजें कुछ समय के लिए तो फायदा दे सकती हैं, लेकिन कई बार इनमें मौजूद केमिकल्स और हार्मफुल इंग्रीडिएंट्स हमारे बालों को फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाते हैं।

भृंगराज हेयर मास्क क्यों है आपके लिए फायदेमंद?

आपको शायद मालूम न हो, लेकिन भृंगराज में विटामिन्स, आयरन, मैग्नीशियम और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जब हम इसका पेस्ट तैयार करके अपने बालों में लगाना शुरू करते है, तो यह डायरेक्टली हमारे स्कैल्प में पहुंचकर वहां ब्लड सर्कुलेशन को बूस्ट कर देता है। ऐसा होने से आपके बालो की जड़ो को न्यूट्रिएंट्स मिलते है और साथ ही नए बालो के उगने में भी मदद मिलती है। भृंगराज के इस्तेमाल से सिर्फ आपका हेयर फॉल नही रुकता है, बल्कि यह आपके बालो को समय से पहले सफेद होने से और डैंड्रफ से भी बचाकर रखने में मदद करता है।

भृंगराज हेयर मास्क बनाने का सबसे आसान तरीका

भृंगराज हेयर मास्क को घर पर बनाना बहुत ही आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक साफ कटोरी ले और फिर उसमे भृंगराज पाउडर डालें। अब इसमें फ्रेश दही मिलाकर एक अच्छा सा पेस्ट तैयार कर लें। अगर आपके बाल बहुत ज्यादा ड्राई और बेजान रहते हैं, तो इसमें एक चम्मच नारियल का तेल मिला लें। अगर आप बालों को ज्यादा काला और घना बनाना चाहते हैं, तो एक चम्मच आंवला पाउडर भी डाल सकते हैं। इन सभी चीजों को चम्मच से अच्छी तरह मिक्स कर लें ताकि कोई गुठली न रहे। आपका होममेड भृंगराज हेयर मास्क तैयार है। लगाने से पहले इसे 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

साइबर धोखाधड़ी: सावधानी ही सुरक्षा का मार्ग

गणेशोत्सव केवल श्रद्धा और सांस्कृतिक उत्सव ही नहीं, बल्कि समाज प्रबोधन का भी एक प्रभावी माध्यम है। इसी उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से गणेशोत्सव के दौरान 'लोकसंवाद-2026' पहल का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत विभिन्न गणेश मंडलों के सामने साइबर पुलिस स्टेशन, पुणे शहर के माध्यम से नागरिकों को साइबर अपराधों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। इसी संदर्भ में पुणे जिला सूचना कार्यालय ने नागरिकों के उपयोग के लिए साइबर सुरक्षा से संबंधित यह जानकारी एकत्रित रूप में संकलित की है। आज मोबाइल और इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऑनलाइन बैंकिंग, खरीदारी, निवेश, सोशल मीडिया और डिजिटल लेन-देन के कारण कई काम आसान हो गए हैं, लेकिन इसके साथ ही साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़े हैं।

साइबर अपराधी नए-नए तरीकों का इस्तेमाल करके नागरिकों को डराते हैं, आकर्षक लालच देते हैं या भावनात्मक दबाव बनाते हैं। इसलिए अनजान फोन, संदेश, लिंक या ऑनलाइन पहचान पर आसानी से विश्वास न करें और हर बार जानकारी की पुष्टि करना आवश्यक है। इनमें से एक गंभीर प्रकार है 'डिजिटल अरेस्ट'। इसमें साइबर अपराधी खुद को पुलिस अधिकारी या जांच एजेंसी का अधिकारी बताते हैं। वे यह कहकर डराते हैं कि आपके नाम पर अपराध दर्ज है या आपके खाते में अवैध लेन-देन हुआ है। इसके बाद वीडियो कॉल पर पूछताछ के नाम पर नागरिकों को जोड़े रखते हैं और पैसे देने की मांग करते हैं। ध्यान रखें, राज्य या केंद्र सरकार की कोई भी जांच एजेंसी फोन या वीडियो कॉल पर कार्रवाई न करने के बदले पैसे नहीं मांगती। इसलिए ऐसे फोन से घबराकर पैसे न दें और अनजान वीडियो कॉल स्वीकार करने से बचें। आपका मोबाइल नंबर बंद होने वाला है, केवाईसी पूरी नहीं हुई है या आपके नंबर से कोई गैरकानूनी गतिविधि हुई है, ऐसा बताकर दूरसंचार विभाग या 'ट्राई' के नाम पर भी धोखाधड़ी की जाती है। ऐसी स्थिति में कोई भी जानकारी या दस्तावेज देने से पहले संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाता के आधिकारिक माध्यम से जानकारी की पुष्टि करें। आपके नाम का पार्सल सीमा शुल्क विभाग ने रोक लिया है, उसमें अवैध वस्तुएं मिली हैं और इसलिए जुर्माना भरना होगा, ऐसा कहकर भी नागरिकों को निशाना बनाया जाता है। यदि आपने कोई पार्सल मंगाया ही नहीं है, तो ऐसे फोन पर विश्वास न करें। अनजान लिंक पर क्लिक न करें और बैंक खाते की जानकारी साझा न करें। अनजान व्यक्तियों की ओर से आने वाली व्हाट्सऐप वीडियो कॉल भी खतरनाक हो सकती हैं। कुछ मामलों में किसी महिला का पहले से रिकॉर्ड किया गया वीडियो दिखाकर सामने वाले व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो रिकॉर्ड कर लिया जाता है। उसमें छेड़छाड़ करके सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी दी जाती है और पैसे की मांग की जाती है। इस प्रकार की धोखाधड़ी को 'सेक्सटॉर्शन' कहा जाता है। ऐसी स्थिति का शिकार होने पर घबराकर पैसे न दें। उपलब्ध साक्ष्यों को सुरक्षित रखें और तुरंत साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज करें।'घर बैठे काम करें और बड़ी कमाई करें', 'टास्क पूरा करें और पैसे पाएं', जैसे विज्ञापनों या टेलीग्राम-व्हाट्सऐप समूहों से भी सावधान रहना आवश्यक है। शुरुआत में थोड़े पैसे देकर विश्वास हासिल किया जाता है और बाद में अधिक पैसे निवेश करने के लिए कहकर बड़ी रकम ठग ली जाती है। इसी प्रकार शेयर बाजार, आईपीओ, बिटकॉइन या अन्य निवेशों में बड़ा मुनाफा दिलाने का लालच देकर भी धोखाधड़ी की जाती है। इसलिए निवेश करने से पहले संबंधित संस्था और मध्यस्थ अधिकृत हैं या नहीं, इसकी पुष्टि करें। लेन-देन केवल अधिकृत ऐप या वेबसाइट के माध्यम से ही करें।'आपका बिजली बिल बकाया है, आज ही पैसे जमा नहीं किए तो बिजली आपूर्ति बंद हो जाएगी' या 'गैस बिल नहीं भरने के कारण कनेक्शन बंद होने वाला है', ऐसे संदेशों के माध्यम से भी जल्दबाजी पैदा की जाती है। ऐसे संदेशों में दिए गए लिंक पर क्लिक न करें

अनजान एपीके फाइल डाउनलोड न करें

साइबर अपराधी नागरिकों को अलग-अलग कारण बताकर एपीके फाइल का लिंक भेजते हैं। 'SBI.apk', 'RTO Challan.apk', 'e-Challan.apk', 'MNGL.apk' जैसे नामों वाली फाइलें भेजकर उन्हें डाउनलोड करने के लिए प्रेरित किया जाता है। ऐसी अनजान या फर्जी एपीके फाइल मोबाइल में इंस्टॉल करने पर, उन्हें दी गई अनुमतियों के अनुसार मोबाइल में मौजूद संवेदनशील जानकारी का दुरुपयोग हो सकता है। मोबाइल की जानकारी, एसएमएस या अन्य सुविधाओं का गलत इस्तेमाल करके आर्थिक धोखाधड़ी का प्रयास किया जा सकता है। मोबाइल में अनजान ऐप इंस्टॉल करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। बैंकिंग संबंधी जानकारी या ओटीपी किसी को न दें। संदिग्ध लिंक प्राप्त होने पर संबंधित विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से ही जानकारी की पुष्टि करें।

अपना बैंक खाता अनजान व्यक्ति को इस्तेमाल करने के लिए न दें

साइबर अपराधी नागरिकों को पैसों का लालच देकर या अन्य कारण बताकर उनका बैंक खाता, एटीएम कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग या अन्य बैंकिंग सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए मांग सकते हैं। इस प्रकार अपना बैंक खाता किसी अनजान व्यक्ति को इस्तेमाल करने के लिए देने पर साइबर धोखाधड़ी से प्राप्त पैसे आपके खाते में जमा हो सकते हैं।

साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए आवश्यक सावधानियां

साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए कुछ सरल आदतों को अपनाना आवश्यक है। अनजान व्यक्ति को ओटीपी, पासवर्ड, बैंक खाते का विवरण, डेबिट या क्रेडिट कार्ड की जानकारी, आधार-पैन की प्रति, फोटो या पता न दें। संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। आर्थिक और सोशल मीडिया खातों के लिए अलग-अलग, मजबूत और कम से कम १२ अक्षरों वाले पासवर्ड का इस्तेमाल करें। दो-स्तरीय प्रमाणीकरण की सुविधा चालू रखें। अनजान टेलीग्राम या व्हाट्सऐप समूह में जोड़े जाने पर तुरंत उस समूह से बाहर निकल जाएं। व्हाट्सऐप की गोपनीयता सेटिंग में ऐसी व्यवस्था करें कि केवल आपके संपर्कों में मौजूद लोग ही आपको समूह में जोड़ सकें।

सोशल मीडिया हमारी व्यक्तिगत डायरी नहीं है। अपने निजी जीवन की हर जानकारी, यात्रा, स्थान, परिवार के सदस्यों की जानकारी या अन्य संवेदनशील विवरण सार्वजनिक करने से बचें। अनजान व्यक्तियों के फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले उनकी पहचान की जांच करें। यदि किसी मित्र या रिश्तेदार के नाम पर पैसे मांगे जाएं, तो प्रत्यक्ष फोन करके पुष्टि किए बिना पैसे न भेजें। आर्थिक खातों में असुरक्षित या सार्वजनिक कंप्यूटर से प्रवेश करने से बचें। ई-मेल भेजने वाले के डोमेन और वेबसाइट के पते में स्पेलिंग की जांच करें। साइबर धोखाधड़ी हो जाए, तो घबराएं नहीं और समय बर्बाद न करें। तुरंत १९३० राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। साथ ही, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। पुणे शहर के नागरिक साइबर पुलिस स्टेशन, शिवाजीनगर, पुणे शहर में भी संपर्क कर सकते हैं। उपलब्ध संपर्क नंबर ७०५८७१९३७५ / ७०५८७१९३७१ हैं और ई-मेल crimecyber.pune@nic.in है। मोबाइल खो जाने या चोरी होने पर नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराकर संचार साथी की सीईआईआर (CEIR) सुविधा का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए मोबाइल का आईएमईआई (IMEI) नंबर आवश्यक होता है। यह नंबर मोबाइल के बॉक्स पर या उपलब्ध होने पर बैटरी के पीछे लगे स्टिकर पर पाया जा सकता है।

साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत १९३० पर संपर्क करें। सावधान रहें, सुरक्षित रहें!
संकलन: जिला सूचना कार्यालय, पुणे

शिविर में 83 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन, 60 हितग्राहियों को कुल 124 सामग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया

देवांगन भवन जनपद पंचायत पाटन में शिविर का आयोजन

दुर्ग । जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) भारत सरकार वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) एवं इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एल.) भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर) योजनान्तर्गत एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु मूल्यांकन/परीक्षण /चिन्हांकन शिविर का आयोजन न.पा. परि. कुम्हारी /जामूल/अहिवारा, न.पंचा, धमधा एवं जनपद पंचायत धमधा के समस्त ग्राम पंचायतों को सम्मिलित करते हुए स्थान- भीमराव अम्बेडकर भवन, बाजार चौक, धमधा, जिला दुर्ग में शिविर आयोजित किया गया। उप संचालक समाज कल्याण दुर्ग से प्राप्त जानकारी अनुसार आयोजित शिविर में कुल 83 दिव्यांगजनो एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु विभिन्न सामग्री जैसे मोटराइज्ड ट्रायसिकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हील चेयर, तथा वरिष्ठजनों हेतु श्रवण यंत्र, कमोड चेयर, वॉकिंग स्टीक, वॉकर, सुगम्य छड़ी आदि उपकरणों के लिए चिन्हांकन किया गया, आज के शिविर में 60 हितग्राहियों को कुल 124 सामग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया।

उक्त अवसर पर अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल, रोहित कुमार साहू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पंचायत धमधा, पार्षदगण कुमारी बाई टोण्डरे, डोमार सोनकर, चन्द्रिका ब्रम्हभट्ट, एल्डमेनगण- मन्ना महोबिया, अजय मिश्रा, तुलसी पटेल, .ए.पी. गौतम, उप संचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग तथा एलिम्को रायपुर के चिकित्सकीय दल एवं नगर पंचायत धमधा के कर्मचारी एवं समाज कल्याण विभाग व जनपद पंचायत धमधा के कर्मचारी उपस्थित रहें। इसी कड़ी में 16 सितम्बर 2026 को देवांगन भवन जनपद पंचायत पाटन में समय 10.00 प्रातः से 4.30 अपरान्ह बजे तक दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों के सहायक उपकरण वितरण पूर्व मूल्यांकन, चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया गया है।

शासकीय योजनाओं से संवरा भविष्य : स्वावलंबन की मिसाल बनी दुर्गेश्वरी धीवर

दुर्ग । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सेवा और समर्पण के साथ कार्य करते हुए समाज के हर वर्ग के विकास और कल्याण के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के ग्राम भरर की रहने वाली दुर्गेश्वरी धीवर का जीवन छोटे-छोटे बच्चों की परवरिश और घर की जिम्मेदारियों के बीच बीत रहा था। बच्चे बहुत छोटे होने के कारण उनके लिए घर से बाहर जाकर मजदूरी या कोई काम करना संभव नहीं था। मन में परिवार का सहारा बनने की इच्छा तो थी, लेकिन सही रास्ते और साधन की कमी आड़े आ रही थी। मार्च 2024 में जब महतारी वंदन योजना की शुरुआत हुई, तो दुर्गेश्वरी के जीवन में एक नया मोड़ आया। योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता उनके लिए केवल सहायता राशि नहीं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने की एक उम्मीद की किरण बन गई। दुर्गेश्वरी ने इस राशि को व्यर्थ खर्च करने के बजाय समझदारी से इस्तेमाल करने का फैसला किया। वे हर महीने मिलने वाली राशि से थोड़ी-थोड़ी बचत करने लगीं। अपनी इसी छोटी-छोटी बचत से उन्होंने सिलाई मशीन खरीद ली और घर पर ही एक छोटा सा सिलाई व्यवसाय शुरू कर दिया। आज दुर्गेश्वरी आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा चुकी हैं। वे अपने गांव और आस-पास के क्षेत्रों से स्कूल यूनिफॉर्म की सिलाई के ऑर्डर लेती हैं और लगन से काम करके अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। जो हाथ कल तक सिर्फ जिम्मेदारियों से बंधे थे, आज सिलाई मशीन की सुई के साथ अपने परिवार के बेहतर भविष्य की सिलाई कर रही है। दुर्गेश्वरी कहती हैं मेरे बच्चे छोटे थे, इसलिए मैं काम करने बाहर नहीं जा सकती थी। लेकिन महतारी वंदन योजना से मिले पैसे ने मुझे अपने ही घर में आत्मनिर्भर बनने का नया रास्ता दिखाया। अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर देने और महिलाओं के जीवन में यह बड़ा बदलाव लाने के लिए दुर्गेश्वरी माननीय मुख्यमंत्री जी का हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त करती हैं।

अवैध मदिरा के विरूद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के दिशा-निर्देश व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में विगत 11 सितम्बर 2026 को आरोपी अशोक कुमार घोरानी थाना रानीतराई पाटन के कब्जे से 09 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं आरोपी मुकेश कुमार जोशी ग्राम ओटेबंध तहसील धमधा के कब्जे से 40 नग पाव देशी मदिरा मसाला शोले एवं 12 सितम्बर को आरोपी कान्हा चंद्राकर ग्राम पचपेड़ी, जिला दुर्ग के कब्जे से 48 नग पाव विदेशी मदिरा व्हिस्की रॉयल गोवा (गोवा राज्य में विक्रय हेतु अधिकृत) तथा आरोपी संजय सिंह ठाकुर ग्राम सिरसाकला जिला दुर्ग के कब्जे से 50 नग पाव विदेशी मदिरा व्हिस्की रॉयल गोवा (गोवा राज्य में विक्रय हेतु अधिकृत) कुल 33.84 लीटर शराब जप्त कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) (क), 34(2) एवं 36 का उल्लंघन किये जाने पर 04 आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में जेल दाखिल किया गया। उक्त प्रकरणों की विवेचना आबकारी उप निरीक्षक अरविन्द कुमार साहू, हरीश कुमार पटेल, भोजराम रत्नाकर, मती कीर्ति ठाकुर द्वारा की जा रही है।

आधार एवं वोटर आईडी बनवाने लगाई गुहार, जनदर्शन में प्राप्त हुए 61 आवेदन

भाई के नाम आवंटित आवासीय पट्टे के नवीनीकरण व नामांतरण की मांग

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुँचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुँचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर सिल्ली थॉमस भी उपस्थित थीं। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 61 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राप्त अनेक आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जानकारी ली और तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आदर्श नगर शांतिपारा सुपेला निवासी ने स्वयं के नाम से आधार कार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड बनवाने के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि उनके पास वर्तमान में आधार कार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड दोनों उपलब्ध नहीं हैं। आधार कार्ड बनवाने के लिए वोटर आईडी तथा वोटर आईडी बनवाने के लिए आधार कार्ड की आवश्यकता बताई जा रही है, जिसके कारण उन्हें दस्तावेज बनवाने में परेशानी हो रही है। आवेदक ने बताया कि वे वर्ष 2011 से अगस्त 2026 तक जेल में रहे और 13 अगस्त 2026 को रिहा हुए हैं। उन्होंने उनके नाम से आधार कार्ड एवं वोटर आईडी कार्ड बनवाने की मांग की, ताकि उन्हें पहचान संबंधी दस्तावेज प्राप्त हो सकें। इस पर कलेक्टर ने चिप्स अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। कोसानाला उड़िया पारा भिलाई निवासी ने अपने दिवंगत भाई के नाम वर्ष 1984 में आवंटित 30 वर्षीय आवासीय पट्टे के नवीनीकरण एवं अपने नाम नामांतरण कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा वर्ष 1984 में उनके भाई के नाम भूखण्ड 30 वर्षीय आवासीय पट्टा आवंटित किया गया था। उनके भाई और भाभी का निधन हो चुका है। आवेदक ने बताया कि उनके भाई निःसंतान थे। स्वास्थ्य खराब रहने एवं बाहर चले जाने के कारण निर्धारित समय में पट्टे के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सके। उन्होंने अब अपने दिवंगत भाई के नाम आवंटित पट्टे का नवीनीकरण कर अपने नाम नामांतरण कराने की मांग की है। एक अन्य आवेदन में उरलावासियों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 57 के उरला रेलवे क्रॉसिंग के सामने विद्युत खंभों में स्ट्रीट लाइट नहीं होने से स्थानीय लोगों को रात के समय आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि उक्त क्षेत्र में रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने के कारण आने-जाने में कठिनाई होती है। इसे देखते हुए नागरिकों ने संबंधित विभाग से विद्युत खंभों में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था कराने आवेदन दिया है। ताकि क्षेत्र में रात के समय आवागमन सुगम एवं सुरक्षित हो सके।

बिहान से जुड़कर मनीषा ने संवारा अपना भविष्य, पार्लर व्यवसाय को मिला विस्तार, आत्मनिर्भरता के साथ लखपति दीदी बनने की ओर बढ़ाए कदम

दुर्ग। कभी घर के छोटे से कमरे में सीमित संसाधनों के साथ पार्लर चलाने वाली ग्राम पंचायत फुंडा की मती मनीषा ठाकुर आज अपनी स्वयं की दुकान संचालित कर रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ने के बाद उन्हें समूह की ताकत, बैंकिंग एवं ऋण सुविधाओं की जानकारी मिली, जिसका लाभ उठाकर उन्होंने अपने हुनर को व्यवसाय का रूप दिया। आज उनका पार्लर व्यवसाय अच्छी आमदनी का जरिया बन गया है और वे लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।मनीषा ठाकुर अम्बे स्व-सहायता समूह की सदस्य हैं। समूह में कुल 14 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। बिहान से जुड़ने से पहले मनीषा घर से ही पार्लर का संचालन करती थीं। सीमित संसाधनों और छोटी जगह के कारण वे अपने व्यवसाय का अधिक विस्तार नहीं कर पा रही थीं। आमदनी भी नियमित नहीं थी।

समूह से मिली जानकारी, ऋण सुविधा से खुला आगे बढ़ने का रास्ता-बिहान स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद मनीषा को समूह की बैठकों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था, ऋण सुविधा और व्यवसाय विस्तार की जानकारी मिली। उन्होंने उपलब्ध ऋण सुविधा का लाभ लेकर अपने पार्लर व्यवसाय में आवश्यक संसाधन जुटाए और अपनी स्वयं की दुकान शुरू की। दुकान मिलने से ग्राहकों को बेहतर सुविधा देने के साथ व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

सामान्य दिनों में 30 से 35 हजार, सीजन में 1 से 2 लाख तक पहुंचती है आय-मनीषा बताती हैं कि वर्तमान में उनके पार्लर से सामान्य दिनों में लगभग 30 से 35 हजार रुपये प्रतिमाह की आय हो जाती है। वहीं शादी-विवाह और त्योहारों के सीजन में ग्राहकों की संख्या बढ़ने पर उनकी आमदनी 1 से 2 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। बढ़ती आय ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि मनीषा के आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई दी है। हुनर को मिला मंच, बढ़ा आत्मविश्वास-मनीषा कहती हैं कि उनके पास पार्लर का काम करने का हुनर पहले से था, लेकिन व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए संसाधनों और सही जानकारी की जरूरत थी। बिहान समूह से जुड़ने के बाद उन्हें यह अवसर मिला। समूह के माध्यम से मिली जानकारी और ऋण सुविधा ने उनके लिए आगे बढ़ने का रास्ता आसान किया। आज मनीषा अपने व्यवसाय का संचालन स्वयं कर रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही हैं। उनकी सफलता यह बताती है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, अवसर और सहयोग मिले तो वे अपने हुनर को आजीविका का मजबूत साधन बना सकती हैं।

अन्य महिलाओं के लिए बनीं प्रेरणा-मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने कहा कि बिहान स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। मनीषा ठाकुर की सफलता इस बात का उदाहरण है कि महिलाएं अपने हुनर और छोटे व्यवसाय को समूह के सहयोग से आगे बढ़ाकर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। मनीषा की कहानी गांव की उन महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपने हुनर के बावजूद संसाधनों की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पातीं। बिहान से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने व्यवसाय का विस्तार किया।

बलराम जयंती के अवसर पर दलहनी-तिलहनी फसलों एवं प्राकृतिक खेती पर संगोष्ठी आयोजित

दुर्ग। बलराम जयंती के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र, पाहंदा-अ दुर्ग द्वारा किसानों में दलहनी एवं तिलहनी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा देने तथा प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से 'दलहनी-तिलहनी फसलों की उन्नत खेती एवं प्राकृतिक खेती' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अनिल वर्मा, अधिष्ठाता संत विनोबा भावे कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र मर्रा रहे। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. विजय जैन की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि डॉ. अनिल वर्मा ने दलहनी एवं तिलहनी फसलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने तथा टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि विज्ञान केंद्र, पाहंदा-अ दुर्ग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन ने किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न तकनीकी प्रसार एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी देते हुए वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने दलहनी एवं तिलहनी फसलों को फसल प्रणाली में शामिल करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। इस अवसर पर मनीष कुमार वर्मा ने दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने फसल की प्रारंभिक अवस्था में खरपतवार नियंत्रण के महत्व तथा यांत्रिक एवं रासायनिक विधियों के उचित उपयोग के बारे में बताया। डॉ. ईश्वरी ने कीट नियंत्रण एवं समन्वित कीट प्रबंधन विषय पर किसानों को जानकारी देते हुए प्रमुख कीटों की पहचान, निगरानी एवं उचित नियंत्रण उपायों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ आरती वर्मा ने प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राकृतिक खेती में जैव-इनपुट के उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य संरक्षण, कृषि लागत में कमी तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों के महत्व के बारे में किसानों को जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने कृषि से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर विशेषज्ञों से चर्चा की तथा प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। संगोष्ठी में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों एवं क्षेत्र के किसानों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि तकनीकों से जोड़ना तथा दलहनी-तिलहनी फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना रहा।

नाले में पानी के कारण आवागमन बाधित, जान जोखिम में डालकर रास्ता पार कर रहे राहगीर

मगरघटा-परसदा पुलिया का एप्रोच रोड बना मुसीबत

अमलेश्वर। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर एवं कुम्हारी क्षेत्र को जोड़ने वाली मगरघटा-परसदा पुलिया का एप्रोच रोड इन दिनों राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है। नाले में पानी का बहाव अधिक होने के कारण एप्रोच रोड से आवागमन पूरी तरह बाधित है। इसके बावजूद जरूरी काम से आने-जाने वाले लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नाले को पार करने को मजबूर हैं। ऐसे में कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। बताया जा रहा है कि यदि किसी राहगीर को परसदा से मगरघटा जाना हो तो उसे पाहंदा, अमलेश्वर, भोथली होते हुए लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। इसी तरह मगरघटा से परसदा आने वाले लोगों को भी अमलेश्वर होकर आवागमन करना पड़ेगा। इस लंबी दूरी से बचने के लिए

लोग बंद मार्ग के बावजूद नाले को पार करने का जोखिम उठा रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग ने लगाया मार्ग बंद होने का सूचना बोर्ड

लोक निर्माण विभाग द्वारा पुलिया के पास मार्ग पूर्ण रूप से बंद होने की सूचना का बोर्ड भी लगाया गया है। इसके बावजूद स्थानीय लोग और राहगीर अपनी जरूरत के चलते इस चेतावनी को नजरअंदाज कर नाले के रास्ते आवागमन कर रहे हैं। पानी के बीच से गुजरना कभी भी जानलेवा साबित हो सकता है।

पानी कम होने का इंतजार कर रहा विभाग

जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग द्वारा एप्रोच रोड की मरम्मत के लिए आवश्यक तैयारी कर ली गई है। विभाग का कहना है कि जैसे ही नाले का पानी कम होगा, एप्रोच रोड की मरम्मत का कार्य कराया जा सकेगा। लेकिन लगातार पानी बने रहने के कारण फिलहाल काम शुरू नहीं हो पा रहा है। इसका खामियाजा क्षेत्र के लोगों को आवागमन में परेशानी के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

बड़ी दुर्घटना का इंतजार न करे प्रशासन

राहगीरों की मजबूरी को देखते हुए स्थानीय लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि मार्ग पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं तथा नाले के रास्ते जोखिमपूर्ण आवागमन को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। लोगों का कहना है कि किसी बड़ी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन को अभी से सतर्कता बरतनी चाहिए।

नगर पालिका में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ

नगर पालिका परिषद ने निकाली स्वच्छता रैली

डोंगरगांव नगर। शासन के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद में 17 सितंबर 2026 को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी द्वारा निकाय परिसर में अधिकारी व कर्मचारियों सहित स्वच्छता दीदियों व सफाई मित्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। स्वच्छता रैली सीएमओ विनम्र जेमा के मार्गदर्शन में नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए नगर भ्रमण कर पुनः कार्यालय परिसर पहुंची। इस अवसर पर अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी ने कहा कि स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने समस्त नागरिको से स्वच्छता पखवाड़े में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने अपील की। उक्त अवसर पर पार्षदगण मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com